



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1977/अग्राहयण 5, 1899
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1977/AGRAHAYANA 5, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3568.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस आयोग की तारीख 5 अक्टूबर, 1977 की अधिसूचना सं० 154/कर्नाटक/77 को अधिष्ठापित करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से प्रकाश पर गये श्री डी० बालगोपालन के स्थान पर श्री सी० बी० नन्दीश्वर, सरकार के प्रति-रिक्त सचिव, विधि तथा संसदीय-कार्य विभाग को 14 अक्टूबर, 1977 से मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामनिर्दिष्ट करता है।

[सं० 154/कर्नाटक/77]

वी० नागसुब्रामण्यन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 29th October, 1977

S.O. 3568.—In supercession of the Commission's notification No. 154/Karnataka/77 dated the 5th October, 1977 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act,

1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri C. B. Nandeeshwar, Additional Secretary to the Government, Department of Law and Parliamentary Affairs, as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from 14 October, 1977 vice Shri D. Balagopalan, granted leave.

[No. 154/Karnataka/77]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3569.—In the Order dated 20 August, 1977 of the Authority constituted under the Disputed Elections (Prime Minister and Speaker) Act, 1977 for the trial of election petition No. 1 of 1977, published under the Election Commission's notification S.O. No. 2939 dated 7 September, 1977 at pages 3405 to 3410 of the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii) [Volume 39], for the last paragraph appearing at page 3410 of the Gazette substitute the following :—

"In the result, I reject the application for condonation of delay in presenting the election petition and dismiss the election petition. There will be no order as to costs".

[No. 82/GJ/1/(P.M.)/77/5330]

By Order,
I. K. K. MENON, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1977

का० आ० 3570.—अधिकार एवं निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सैसर्से फेरो अलायज कारपोरेशन लिमिटेड के पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 747/71) के निरस्तीकरण को कथित अधिनियम के अन्तर्गत अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/27/76-एम०-2]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 3rd November, 1977

S.O. 3570.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Ferro Alloys Corporation Limited, under the said Act (Certificate of Registration No. 747/71).

[F. No. 2/27/76-M. II]

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1977

का० आ० 3571.—एकाधिकार एवं निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सैसर्से गीतांजली मिल्स लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1226/76) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/20/76-एम०-2]

सी० खुशालदास, उप सचिव

New Delhi, the 5th November, 1977

S.O. 3571.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the Cancellation of the Registration of M/s. Gitanjali Mills Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 1226/76).

[F. No. 2/20/76-M. II]

C. KHUSHALDAS, Dy. Secy.

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1977

का० आ० 3572.—इसके द्वारा लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूलस) 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को भार० डी० शर्मा, एडवोकेट, 385 सुभाष मार्केट, नई दिल्ली-3 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, नई दिल्ली में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाण के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हो तो इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर सीजे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/56/77-न्याय]

आर० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 3rd November, 1977

S.O. 3572.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri R. D. Sharma, Advocate, 365, Subhas Market, New Delhi-3, for appointment as a Notary to practice in New Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No 22/56/77-Jus.]

R. VASUDEVAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1977

का० आ० 3573.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम 'केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) द्वितीय संशोधन नियम, 1977' है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 में, नियम 12 में उपनियम (4) में खण्ड (ख) के नीचे के स्पष्टीकरण को स्पष्टीकरण II, के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित स्पष्टीकरण से पूर्व निम्नलिखित खण्ड और स्पष्टीकरण अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ग) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे परीक्षाधीन व्यक्तियों की बाबत उक्त अकादमी का निर्देशक नियम 16 में अधिकतम प्रशिक्षण का अनुरोध करने के पश्चात् नियम 11 के खण्ड (i) और (iii) में विनिर्दिष्ट शक्तियों में से कोई शक्ति अधिरोपित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण—1: खण्ड (ग) के प्रयोजनों के लिए परीक्षाधीन व्यक्ति से केन्द्रीय सिविल सेवा में परीक्षा पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है।”

[सं० 11012/2/76-स्था० (ए०)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3573.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Second Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, in rule 12, in sub-rule (4), the Ex-

planation under clause (b) shall be renumbered as Explanation II, and before the Explanation shall be inserted, namely:—

“(c) in respect of a probationer undergoing training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration the Director of the said Academy shall be the authority competent to impose on such probationer any of the penalties specified in clauses

(i) and (iii) of rule 11 after observing the procedure laid down in rule 16.

Explanation I.—For the purposes of clause (c), probationer means a person appointed to a Central Civil Service on probation.”

[No. 11012/2/76-Estt(A)]

क्र० आ० 3574.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) में प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) तृतीय संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 की अनुसूची में, (1) भाग 1—केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह “क” में प्रविष्टि सं० 10 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“10क भारतीय सिविल लेखा सेवा”,

(II) भाग-2 केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह “ख” में, विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएगी अर्थात्:—

क्रम सं०	सेवा का वर्णन	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्तियाँ अधिरोपित करने के लिए सम सक्षम प्राधिकारी और वे शास्तियाँ जो यह अधिरोपित कर सकता है (नियम 11 में मद्य संख्याओं के प्रतिनिर्देश से)	अपील प्राधिकारी	शास्तियाँ	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
“33. भारत सरकार के विभागीकृत लेखा कार्यालयों के लेखा अधिकारी	(क) महालेखा संयुक्त महालेखा नियंत्रक	नियंत्रक के कार्यालय के अधिकारी और वे अधिकारी जो काउन्सिल पदों संगठनों में प्रतिनियुक्त हैं	संयुक्त महालेखा नियंत्रक (I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	
	(ख) उन मंत्रालयों/विभागों में मुख्य लेखा नियंत्रक	के अधिकारी जहाँ प्रधान लेखा अधिकारी मुख्य लेखा नियंत्रक के ग्रेड का है।	मुख्य लेखा नियंत्रक (I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	
	(ग) ऊपर (क) और (ख) में निविष्ट से भिन्न मंत्रालयों, विभागों में के अधिकारी।					
	वित्तीय परामर्शी या संयुक्त सचिव	वित्तीय परामर्शी या संयुक्त सचिव	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	(I) से (IV) तक महालेखा नियंत्रक (V) से (IX) तक	

(III) भाग 3—केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह (ग) (रक्षा सेवा में के सिविलियनों के सिवाय) में, क्रम सं० IV के सामने, मद्य (III) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित मद्य और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6
“IV (1) विभागीकृत लेखा कार्यालयों में नि० श्रे० नि० में भिन्न सभी समूह ‘ग’ के पद	लेखानियंत्रक या उप-सचिव (उन मंत्रालयों/विभागों में जहाँ कोई लेखानियंत्रक नहीं है)	लेखा नियंत्रक या उप-सचिव (प्रशासन) (उन सभी मंत्रालयों/विभागों में जहाँ कोई लेखा नियंत्रक नहीं है)	सभी वित्तीय परामर्शी संयुक्त सचिव (प्रशा०) उन सभी मंत्रालयों या विभागों में जहाँ वि० प० नहीं है।		
(2) विभागीकृत लेखा कार्यालयों में नि० श्रे० नि०	उप लेखा नियंत्रक या अवर सचिव (उन मंत्रालयों/विभागों में जहाँ उ० ले० नि० नहीं है)	उ० ले० नि० या अवर सचिव (प्रशा०) उन मंत्रालयों/विभागों में जहाँ उ० ले० नि० नहीं है।	सभी लेखा नियंत्रक (उन विभागों में जहाँ प्रधान लेखा अधिकारी प्रधान लेखा नियंत्रक के ग्रेड का है) या वित्तीय परामर्शी/संयुक्त सचिव (प्रशा०) उन मंत्रालयों/विभागों में जहाँ वित्तीय परामर्शी नहीं है।”		

5. अनुसूची में, भाग 4—“केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह ‘घ’ (रक्षा सेवाओं में के सिविलियनों के सिवाय)” में विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
“(IV) विभागीय लेखा कार्यालयों के सभी लेखन एवं लेखा अधिकारी समूह ‘घ’ पद		लेखन एवं लेखा अधिकारी	सभी लेखा नियंत्रक या उप लेखा नियंत्रक या (अवर सचिव—(प्रशासन) उन सभी मंत्रालयों/विभागों] जहाँ लेखन नहीं है।			

[सं० 11012/12/77-ईएसटीएस]

आर० सी० गुप्ता, उप सचिव

S.O. 3574.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely :—

- (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Third Amendment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, (i) in Part I—Central Civil Services, Group “A”—After the entry No. 10, the following entry shall be inserted, namely :—

“10 A Indian Civil Accounts Service.”;

(ii) in Part II—Central Civil Services, Group ‘B’—after the existing entries, the following entries shall be inserted, namely :—

S. No.	Description of service	Appointing Authority	Authority Competent to impose penalties and penalties which it may impose (with reference to the item Nos. in Rule 11)	Appellate Authority	Penalties	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
“33	Accounts Officers of the Departmentalised Accounts Offices of Government of India.	(a) Officers in the Office of the Controller General of Accounts. Joint Controller General of Accounts	Joint Controller General of Accounts. Controller General of Accounts	(i) to (iv) (v) to (ix)	Controller General of Accounts President	(i) to (iv) (v) to (ix)
		(b) Officers in the Ministries/ Departments where the Principal Accounts Officer is of the grade of the Chief Controller of Accounts. Chief Controller of Accounts	Chief Controller of Accounts Controller General of Accounts	(i) to (iv) (v) to (ix)	Controller General of Accounts President	(i) to (iv) (v) to (ix)
		(c) Officers in the Ministries/ Departments other than those referred to in (a) and (b) above. Financial Adviser [Joint Secretary (Administration) in the Ministries/Departments where there is no Financial Adviser]	Financial Adviser [Joint Secretary (Administration) in the Ministries/Departments where there is no Financial Adviser] Controller General of Accounts	(i) to (iv) (v) to (ix)	Controller General of Accounts President	(i) to (iv) (v) to (ix)”

(iii) in Part III—"Central Civil Services, Group 'C' (except for Civilians in Defence Services)" against S. No. 4, after item (iii) and the entries relating thereto, the following items and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6
"(iv) 1.	All Group 'C' posts other than Lower Division Clerks in the departmentalised Accounts Offices.	Controller of Accounts or Deputy Secretary (in the Ministries/Departments) where there is no Controller of Accounts.	Controller of Accounts or Deputy Secretary (Administration) (in the Ministries/Departments) where there is no Controller of Accounts	All	Financial Adviser [Joint Secretary (Administration) in the Ministries/Departments where there is no Financial Adviser]
2.	Lower Division Clerks in the Departmentalised Accounts Offices.	Deputy Controller of Accounts or Under Secretary (in the Ministries/Departments) where there is no Deputy Controller of Accounts.	Deputy Controller of Accounts or Under Secretary (Administration) (in the Ministries/Departments) where there is no Deputy Controller of Accounts.	All	Controller of Accounts (in the Ministries/Departments where Principal Accounts Officer is of the grade of Controller of Accounts) or Financial Adviser [Joint Secretary (Administration) in the Ministries/Departments where there is no Financial Adviser.]

5. In the Schedule, in Part IV—"Central Civil Services, Group 'D' (Except for Civilians in Defence Services)" after the existing entries, the following entry shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
"(iv) All Group 'D' posts in the Departmentalised Accounts Offices	Pay and Accounts Officer	Pay and Accounts Officer.	All	Dy. Controller of Accounts or Controller of Accounts or (Under Secretary (Administration) in the Ministries where there is no Deputy Controller of Accounts or Controller of Accounts.]	All"	

[No. 11012/12/77-Ests. A]

R. C. GUPTA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1977

का० आ० 3575.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा विशेष न्यायाधीश, हैदराबाद के न्यायालय में श्री सी० श्रीनिवास आयंगर प्रभारी, अभिकर्ता इंडियन बैंक, खम्मम तथा अन्यो के विरुद्ध विल्ली विशेष पुलिस स्थापना आर० सी० सं० 53/70-हैदराबाद के अभियोजन का संचालन करते हेतु श्री डी० मरयनारायण अभिवक्ता, हैदराबाद को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/19/77-ए०बी०डी०-II]

New Delhi, the 4th November, 1977

S.O. 3575.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri D. Satyanarayana, Advocate, Hyderabad as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 53/70-Hyderabad, against Shri C. Srinivasa Iyengar, Agent, Incharge, Indian Bank, Khammam and others in the court of Special Judge, Hyderabad.

[No. 225/19/77-AVD. II]

का० आ० 3576.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा बम्बई के अधिवक्ताओं सर्वश्री पी० पी० खम्बाटा और विजय आर० देसाई को श्री शान्ति प्रसाद जैन तथा अन्यो के विरुद्ध केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के बाद संख्या आर०सी० 1/64/एफ० एम० II के संबंध में तीसरे एडीशनल चीफ मैट्रोपोलिटन मैजिस्ट्रेट, बम्बई द्वारा 4-8-1977 को भेजे गये मामले सं० 1727/76 की बम्बई उच्च न्यायालय में पैरवी करने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं० 225/47/77-ए० बी० डी०-II]

टी० के० सुब्रामणियन, अवर सचिव

S.O. 3576.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sarvashri P. P. Khambatta and Vijay R. Desai, Advocates, Bombay, as Special Public Prosecutors for defending Case No. 1727/76 in the Bombay High Court in the matter referred to by the 3rd Additional Chief Metropolitan Magistrate, Bombay on 4-8-1977, in connection with the Central Bureau of Investigation Case No. RC. 1/64/FS. II against Shri Shanti Prasad Jain and others.

[No. 225/47/77-AVD. II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1977

आय कर

क्र० आ० 3577.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1597 (फा० सं० 203/187/76-आई०टी०ए०-II) तारीख 24 दिसम्बर 1976 के अनुक्रम में और इस विभाग की अधिसूचना सं० 1862 तारीख 8 जुलाई, 1977 को अधिकांश करने हुए, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए 1 अप्रैल, 1977 से 31-3-1982 तक के लिए अनुमोदित किया है।

वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम: प्रजनन, जनसंख्या, गतिविज्ञान के वनस्पति पशुओं, परिवार नियोजन अपनाने में पुनरुत्पादक जीव विज्ञान और सामाजिक सांस्कृतिक पशुओं पर अनुसंधान

आयोजक: (1) खोसला प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
(2) खोसला मेटल पावर्स लिमिटेड,
(3) खोसला इजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
43 आंध्र रोड, पुणे-411003

आयोजन स्थान: के० ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र,
पुणे

परियोजना की कुल लागत: 31.22 लाख रुपए।

के० ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र, पुणे को जहाँ उक्त कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है वित्त मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 332 (फा० सं० 203/9/73-आई० टी० ए० II) तारीख 21 अप्रैल, 1973 के अधीन पहले ही अनुमोदित किया जा चुका है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 से 31 मार्च, 1982 तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 1894 (फा० सं० 203/85/77-आ०क०अ० II)]

जे० पी० शर्मा

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th July 1977

INCOME TAX

S.O. 3577.—In continuation of this Department notification's No. 1597 (F. No. 203/187/76-II A.II) dated the 24th December 1976, and in supersession of this Department's notification No. 1862 dated 8th July, 1977 it is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved by the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi, for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 with effect from 1st April, 1977 to 31-3-1982.

Scientific Research Programme: Research on certain aspects of fertility, population dynamics, reproductive biology and social cultural aspects of acceptance of Family Planning.

Sponsored by:

- (i) Khosla Plastics Pvt. Ltd.,
- (ii) Khosla Metal Powers Ltd.,
- (iii) Khosla Engineering Pvt. Ltd., 43, Aundh Road, Poona-411003.

Sponsored at:

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune.

Total cost of project

Rs. 31.22 lakhs.

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune where the above programme has been sponsored has been approved under section 35(1) (ii) the Income-tax Act 1961 by Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) notification No. 332 (F. No. 203/9/73-II A, II) dated 21st April 1973.

This notification is effective from 1st April, 1977 to 31 March, 1982.

[No. 1894 (F. No. 203/85/77-IIA.II)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1977

क्र० आ० 3578.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित गतों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्—

(i) विद्यालय अपने अनुसंधान संबंधी प्रियकरणाप की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा;

(ii) विद्यालय प्राप्त अनुदानों और मात्र अनुसंधान पर उपगत व्यय की वार्षिक विवरणी ऐसी रीति में प्रस्तुत करेगा जैसी और जब परिषद् अपेक्षा करे।

संस्था

मौलाना आजाद चिकित्सा महाविद्यालय, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना, अधिसूचना की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 1916 (फा० सं० 203/20/77-आई०टी०ए० II)]

New Delhi, the 4th August, 1977

S.O. 3578.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) The College will submit annual reports on its research activities.
- (ii) The College will submit annual returns about donations received and actual expenditure incurred exclusively for research in the manner as and when required by the Council.

INSTITUTION

MAULANA AZAD MEDICAL COLLEGE, NEW DELHI.

This notification is effective for a period of two years from the date of this notification.

[No. 1916 (F. No. 203/20/77-ITA. II)]

का० आ० 3579.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् —

- (i) यह कि गांधी शिक्षण भवन, मुम्बई द्वारा इस छूट के अधीन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एकत्र की गई निधियों एक मात्र समाज विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपयोग की जाएगी ;
- (ii) यह कि भवन छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का लेखा पृथक्कृत रहेगा ;
- (iii) यह कि भवन भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को छूट के अधीन एकत्र निधियों को और वह रीति जिसमें निधियों का उपयोग किया गया है, दर्शित करने वाली एक वार्षिक रिपोर्ट भेजेगी।

संस्था

गांधी शिक्षण भवन, मुम्बई

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 से 3 वर्ष के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 1917/फा० सं० 203/86/77-आईटी-II]

S.O. 3579.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) That the funds collected by the Gandhi Shikshan Bhavan, Bombay, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.
- (ii) That the Bhavan shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (iii) That the Bhavan shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

GANDHI SHIKSHAN BHAVAN, BOMBAY.

This notification is effective for a period of 3 years from 1st April, 1977.

[No. 1917 (F. No. 203/86/77-ITA. II)]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1977

का०आ० 3580. —सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था की बाबत जारी की गई अधिसूचना सं० 121 (फा० सं० 10/85/68 आई टी ए II) तारीख 22-11-1968 में "धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii)" के स्थान पर "धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii)" पढ़ा जाएगा।

संस्था

स्टाक इक्विजि फाउण्डेशन, बाम्बे।

[सं० 1932 (फा० सं० 203/22/77-आई टी ए II)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th August, 1977

S.O. 3580.—It is hereby notified for general information that in Notification No. 121 (F. No. 10/85/68-ITA. II) dated 22-11-1968 issued in respect of the institution mentioned below, the words "clause (ii) of sub-section (1) of Section 35" may be read as "clause (iii) of sub-section (1) of Section 35".

INSTITUTION

THE STOCK EXCHANGE FOUNDATION, BOMBAY.

[No. 1932 (F. No. 203/22/77-ITA. II)]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1977

का०आ० 3581.—सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि कर्नाटक हिस्टोरिकल रिसर्च सोसाइटी, धारवार द्वारा इस छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का उपयोग मात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की अभिवृद्धि में किया जायेगा।
- (ii) यह कि सोसाइटी छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का लेखा पृथक्कृत रहेगी।
- (iii) यह कि सोसाइटी समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का, और वह रीति जिसमें निधियों का उपयोग किया गया है, दर्शित करने वाली एक वार्षिक विवरणी भेजेगी।

संस्था

कर्नाटक हिस्टोरिकल रिसर्च सोसाइटी, धारवार। यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-1980 तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 1954 (फा० सं० 203/13/77-आई० टी० ए० II)]

New Delhi, the 3rd September, 1977

S.O. 3581.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) That funds collected by the Karnatak Historical Research Society, Dharwar, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
- (ii) That the society shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (iii) That the Society shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

THE KARNATAK HISTORICAL RESEARCH SOCIETY, DHARWAR.

This notification is effective from 1-4-77 to 31-3-1980.

[No. 1954 (F. No. 203/13/77-ITA II)]

कांआ० 3582.—सर्वे गाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विज्ञान अधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमति दी है, अर्थात् :—

- (i) यह कि सोसाइटी द्वारा दान छूट के अर्जित फंड की गई निधियों का उपयोग मात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की अभिवृद्धि में किया जायेगा।
- (ii) यह कि सोसाइटी छूट के अर्जित फंड की गई निधियों का निम्नलिखित प्रकार से रखेगी।
- (iii) यह कि सोसाइटी समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को छूट के अर्जित फंड की गई निधियों को, और वह रीति जिसमें निधियों का उपयोग किया गया है, वर्णित करने वाली एक वार्षिक विवरणी भेजेगी।

संस्था

एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई, मुंबई।

यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-1980 तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 1955 (फा० सं० 203/113/77-आई०टी०ए० II)]

S.O. 3582.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) The funds collected by the Society under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
- (ii) The Society shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (iii) The Society will send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

THE ASIATIC SOCIETY OF BOMBAY, BOMBAY.

This notification is effective from 1-4-77 to 31-3-1980.

[No. 1955 (F. No. 203/113/77-ITA. II)]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1977

कांआ० 3583.—सर्वे गाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विज्ञान अधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमति दी है, अर्थात् :—

- (1) यह कि संस्था, अपने अनुसंधान क्रियाकलापों वार्षिक विवरणी परिषद् को भेजेगी।
- (2) यह कि संस्था प्राप्त अनुदानों और मास वैज्ञानिक अनुसंधान पर उपगत व्यय की वार्षिक विवरणी ऐसी रीति में और तब प्रस्तुत करेगी ऐसी और जब परिषद् प्रेषण करे।

संस्था

स्वातिथर गेटरी चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वातिथर।

यह अधिसूचना अपनी तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 1969 (फा० सं० 203/123/77-आई०टी०ए० II)]

जे० पी० शर्मा, उप सचिव

New Delhi, the 15th September, 1977

S.O. 3583.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions :—

- (1) The Institute will submit annual reports on the research activities of the institution to the Council.
- (2) The Institute will submit yearly returns about donations received and actual expenditure incurred exclusively for scientific research in the manner as and when required by the Council.

INSTITUTION

The Gwalior Rotary Charitable Trust, Gwalior.

This notification is effective for a period of two years from the date of this notification.

[No. 1969 (F. No. 203/123/77-I.T.A. II)]

J. P. SHARMA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1977

कांआ० 3584.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सेन्ट जोसेफ हॉस्पिटल, बरामुला" की निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1978/फा० सं० 197/189/76-अ०क० (ए)]

New Delhi, 20th September, 1977

S.O. 3584. In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "St. Joseph's Hospital, Baramulla" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 1978/F. No. 197/189/76-II(AI)]

कांआ० 3585.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री भवनारायण स्वामी देवस्थानम्, पोन्नूर" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1974-75 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1977/फा० सं० 197/22/77-अ०क० (ए I)]

S.O. 3585.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Bhavanarayana Swamy Devasthanam, Ponnur" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1974-75.

[No. 1977/F. No. 197/22/77-IT(AI)]

कांआ० 3586.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मल्लादि सत्यलिंगम नायकर चैरिटीज, काकीनाडा" को निर्धारण वर्ष 1975-75 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1979/फा० सं० 197/184/76-अ०क० (ए I)]

S.O. 3586.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Malladi Satyalingam Naicker Charities, Kakinada" for the purpose of the said section for and from the assessment year (s) 1974-75.

[No. 1979/F. No. 197/184/76-IT(AI)]

कां.आं. 3587.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री भीमेश्वर स्वामी मन्दिर ब्राधश्रम" को निर्धारण वर्ष 1974-75 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1988/फा.सं. 197/192/76-आ.कं. (ए1)]

S.O. 3587.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Bhimeswaraswamy Temple, Draksharama" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1974-75.

[No. 1988/F. No. 197/192/76-IT(AI)]

कां.आं. 3588.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "श्री जगद्गुरु शंकराचार्य श्रीगौरी शिवगंगा मठ" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1989/फा.सं. 197/142/76-आ.कं. (ए1)]

S.O. 3588.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Jagadguru Sankaracharya Sringeri Sivaganga Muti" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 1989/F. No. 197/142/76-IT(AI)]

कां.आं. 3589.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "माल इण्डिया मिशन टेबलेट इण्डस्ट्री, बांगरपेट" को निर्धारण वर्ष 1972-73 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1990/फा.सं. 197/174/76-आ.कं. (ए1)]

S.O. 3589.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The All India Missions Tablet Industry, Bangarapet" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1972-73.

[No. 1990/F. No. 197/174/76-IT(AI)]

कां.आं. 3590.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री पद्मनाभस्वामी मन्दिर, त्रिवेन्द्रम" को निर्धारण वर्ष 1971-72 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1998/फा.सं. 197/145/77-आ.कं. (ए1)]

एम. शास्त्री, प्रवर सचिव।

S.O. 3590.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Padmanabhaswamy Temple, Trivandrum" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1971-72.

[No. 1998/F. No. 197/145/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

भाषण

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1977

स्टाम्प

कां.आं. 3591.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1898 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एड्वट द्वारा उस शुल्क को माफ 109 GI/77-2.

करती है जो जम्मू और काश्मीर राज्य बिलीय निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किए जाने वाले 55 लाख रुपये मूल्य के बन्ध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभावी है।

[सं. 36/77-स्टाम्प, फा.सं. 33/76/77-बि.कं.]

ओम प्रकाश मेहरा, उप सचिव।

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1977

STAMPS

S.O. 3591.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty five lakhs of rupees, to be issued by the Jammu & Kashmir State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 36/77-Stamp. F. No. 23/76/77-ST]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1977

कां.आं. 3592.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधि-भोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रालय (संपदा निदेशालय) की अधिसूचना सं. कां.आं. 2186 तारीख 7 अगस्त, 1972 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, सारणी में क्रम सं. 10 और उससे सम्बन्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"10. मुख्य लेखा परीक्षक, डाक और मुख्य लेखा परीक्षक, डाक और तार, दिल्ली के कार्यालय के उपरि तार के प्रशासनिक नियंत्रण उप मुख्य लेखापरीक्षक/उप-मुख्य के अधीन दिल्ली और नई दिल्ली स्थित परिसर।"

[सं. ए-11013/7/77-ई जी I]

एम. के. दास, प्रवर सचिव।

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 8th November, 1977

S.O. 3592.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing (Directorate of Estates) No. S.O. 2186, dated the 7th August, 1972, namely :—

In the said notification, in the Table, for serial No. 10 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"10. Senior Deputy Chief Auditor/ Deputy Chief Auditor, Office of the Chief Auditor, Posts and Telegraphs, Delhi. Premises Under the administrative control of the Chief Auditor Posts and Telegraphs at Delhi and New Delhi."

[No. A. 11013/1/77-EG.I]

S. K. DAS, Under Secy.

(अर्थव्यवस्था विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1977

का०आ० 3593—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल के कार्यकारी निदेशक श्री एफ० हक को 1 नवम्बर 1977 से भारतीय रिजर्व बैंक के स्थानीय मंडल में पश्चिमी क्षेत्र के लिए निदेशक नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 7/2/77-बी० प्रो०-1]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3593.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby appoints Shri F. Haque, Executive Director, Bharat Heavy Electricals Ltd., Bhopal to be a member of the Local Board of the Reserve Bank of India for the Western Area with effect from the 1st November, 1977.

[No. F. 7/2/77-BO. 1]

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1977

का०आ० 3594.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना 1970 के खंड 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्वारा 2 नवम्बर, 1977 से प्रारंभ होकर 1 नवम्बर 1980 को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिये, उक्त खण्ड 3 के उपखण्ड (ग), (घ), (ङ) और (च) में निर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिये, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की दिनांक 11 फरवरी, 1974 की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4/49/73 बी०आ० 1-5 के अधीन नियुक्त निदेशकों के स्थान पर, यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के निदेशकों के रूप में निम्न-लिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :—

1. श्री डी० आर० कपूर, उक्त बैंक के गैर-कामगार कर्म-प्रबंधक, चारियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये खण्ड 3 के उप खण्ड पूसा रोड शाखा, (ग) के अनुसरण में। नई दिल्ली।
2. श्री डी० एच० शाह, उक्त बैंक के अमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिये खण्ड 3 के उपखंड (घ) के अनुसरण में। 23, ब्रेवोर्न रोड, कलकत्ता-700001
3. श्री जगजीन सिंह हारा किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए खण्ड 3 के उप खण्ड (ङ) के अनुसरण में। सदस्य, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय कृषक सहायकार समिति, ग्राम कंगनवाल, डाकखाना जुगियाना, जिला लुधियाना (पंजाब)
4. श्री प्रकाश राम, कारीगरों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिये खण्ड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में। प्रकाश बीवर्स कोऑपरेटिव, 'सोसाइटी लिमिटेड, डाकखाना बुनियादगंज, गया (बिहार)

5. डा० पी० सी० गोस्वामी, खण्ड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में। प्रोफेसर और प्रमुख, कृषि श्रमशास्त्र विभाग, तथा निदेशक, खेती लागत योजना, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट (असम)
6. श्री पदम सिंह श्रीना, खण्ड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में। कृषक तथा बागवान कृष्ण अमर लाल, इजिनगर, संजौनी, शिमला (हिमाचल प्रदेश)
7. श्री एस० सी० लोईवाल, खण्ड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में। प्रबंध निदेशक, नवभारत मशीनरीज (प्राइवेट) लिमिटेड, पुलिस लाइन के सामने, जयपुर-302001 (राजस्थान)
8. श्री मोहन नायक, खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में। सम्पादक सेवक, अध्यक्ष, अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ (उत्कल शाखा) ठक्कर बापा आश्रम, डाकखाना-निमखण्डी, बरास्ता बरहामपुर जिला-गंजम, (उड़ीसा) 760001

[सं० एफ० 9/25/77-बी०प्रो०-1]

New Delhi the 2nd November, 1977

S.O. 3594.—In pursuance of Clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the United Commercial Bank for a period of three years commencing on the 2nd day of November, 1977 and ending with the 1st day of November, 1980 in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F.9-4/49/73-BO.I-5, dated the 11th February, 1974 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3 :—

1. Shri D.R. Kapur, Representing the employees of the said Bank who are not workmen in pursuance of sub-clause (c) of Clause 3. Manager, United Commercial Bank, Pusa Road Branch, New Delhi.
2. Shri D.H. Shah, Representing the interests of depositors of the said Bank in pursuance of sub-clause (d) of Clause 3. 23, Brabourne Road, Calcutta-700001. (West Bengal).
3. Shri Jagjit Singh Hara, Representing the interests of farmers in pursuance of sub-clause (e) of Clause 3. Member, Punjab Agricultural University Farmers Advisory Committee. Village : Kanganwal, P.O. Jugiana, Distt. Ludhiana (Punjab):
4. Shri Prakash Ram, Representing the interests of artisans in pursuance of sub-clause (f) of Clause 3. Hony. Secretary, Prakash Weavers Coop. Society Ltd., P.O. Buniadganj, Gaya (Bihar).

5. Dr. P.C. Goswami, In pursuance of sub-clause (f) of Clause 3.
Professor and Head,
Department of Agricultural
Economics, and
Director,
Cost of Cultivation Scheme,
Assam Agricultural Univer-
sity, Jorhat, (Assam)
6. Shri Padam Singh Jhina, In pursuance of sub-clause (f) of Clause 3.
Agriculturist-cum-Orchard-
dist.
Krishna Amar Lodge,
Engineghar,
Sanjauli, Simla,
(Himachal Pradesh).
7. Shri S.C. Loiwal, In pursuance of sub-clause (f) of Clause 3.
Managing Director,
Nava Bharat Machineries
(P) Ltd.,
Opp. Police Lines,
Jaipur-302001,
(Rajasthan).
8. Shri Mohan Nayak, In pursuance of sub-clause (f) of Clause 3.
Editor Sevak,
President : All India Hari-
jan Sevak Sangh (Utkal
Branch) Thakar Bapa
Ashram,
P.O. Nimakhandi,
Via Berhampur-760001,
Distt. Ganjam,
(Orissa.)
3. श्री कृष्ण देव दीवान
महा सचिव,
वैशाली क्षेत्र लघु कृषक मंच,
हाकखाना वैशाली,
जिला वैशाली, (बिहार)
4. श्री टी० सी० जेठमलानी,
सीमर्स एस०पी० प्रिंटर्स एण्ड काप्टर,
59, श्रीनगर,
इंदौर-452001 (ग०प्र०)
5. श्री वीरेन्द्र अग्रवाल,
22 लेडी हार्डिंग रोड,
नई दिल्ली-110001
6. प्रोफेसर एस०के० चक्रवर्ती,
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
जोफ डायमण्ड हारबर रोड,
पोस्ट बाकस नं० 16757,
अलीपुर पोस्ट आफिस,
कलकत्ता-700027
(पश्चिमी बंगाल)।
7. श्री बी०बी० हरिभक्ति,
चाटर्ड अकाउंटेंट,
बम्बई स्पृश्युल चेम्बर,
19/21, हुमास स्ट्रीट,
बम्बई-400023 (महाराष्ट्र)
8. श्री प्रार० पी० नेवटिया,
गोला शुगर फैक्ट्री,
गोला,
जिला लखीमपुर खीरी,
(उत्तर प्रदेश)

[No. F-9/25/77-EO.]

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1977

[सं० एक० ४/21/77-बी० ओ० I]

बलदेव सिंह, सचिव

New Delhi, the 4th November, 1977

का०प्र० 3595.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना 1970 के खंड 3 के अनुसूचना में, कर्तव्य सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्द्वारा नवम्बर, 1977 के चौथे दिन से प्रारम्भ होकर नवम्बर, 1980 के तीसरे दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए, उक्त खंड 3 के उप-खंड (ग), (घ), (ङ) और (च) में निर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की दिनांक 4 दिसम्बर, 1972 की अधिसूचना संख्या एफ० 8-4/32/72 बी० ओ० खण्ड III) --4 तथा 7 फरवरी, 1974 की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4/47/73-बी० ओ० 1-1 के अधीन नियुक्त निदेशकों के स्थान पर, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :-

1. श्री वी० एस० चौबे उक्त बैंक के गैर-कामगार कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये खंड 3 के उपखंड (ग) के अनुसूचना में।
मुख्य अधिकारी,
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, लखनऊ
क्षेत्रीय कार्यालय,
लखनऊ. (उत्तर प्रदेश)
2. श्री हिममत सिंह परतेली, उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए खंड 3 के उपखंड (घ) के अनुसूचना में।
सचिव,
बानावसी, सेवा मंडल,
मंडला (ग०प्र०)
1. Shri V.S. Choubey, Representing the employees of the said Bank who are not workmen in pursuance of sub-clause (c) of Clause 3.
Chief Officer,
Central Bank of India,
Lucknow Regional Office,
Lucknow,
(Uttar Pradesh)
2. Shri Himmat Singh Parteti Representing the interests of depositors of the said Bank in pursuance of sub-clause (d) of Clause 3.
Secretary,
Vanavasi Seva Mandal,
Mandla
(Madhya Pradesh).

3. Shri Krishan Dev Dewan, General Secretary, Vaishali Area Small Farmers' Association, P.O. Vaishali, Distt. Vaishali, (Bihar). Representing the interests of farmers in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri T.C. Jethmalani, M/s. Em Pee Printers and Crafters, 59, Shree Nagar, Indore-452001 (Madhya Pradesh). Representing the interests of artisans in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
5. Shri Virendra Agarwala, 22, Lady Hardinge Road, New Delhi-110001. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Prof. S.K. Chakraborty, Indian Institute of Management, Joka Diamond Harbour Road, Post Box No. 16757, Alipore Post Office, Calcutta-700027 (West Bengal). In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri V.B. Haribhakti, Chartered Accountant, Bombay Mutual Chambers, 19/21, Hamam Street, Bombay-400023, (Maharashtra). In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri R.P. Nevatia, Gola Sugar Factory, Gola, Distt. Lakhmipur Kheri, (Uttar Pradesh). In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F-9/21/77-B.O.]

BALDEV SINGH, Jt. Secy.

शीर्षाज्य मंत्रालय

मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली

आदेश

नई दिल्ली 5 नवम्बर, 1977

कां०आ० 3596.—सर्वश्री प्रेसटोलोइट इण्डिया लि०, फरीदाबाद को आई०डी०ए० क्रेडिट के अन्तर्गत सर्वन सूची के अनुसार कच्चे माल एवं सघटकों के आयात के लिए 2,14,000 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/ 1418798, दिनांक 27-5-76 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा शुल्क सदन में पंजीकृत कराए बिना ही आग लग जाने के कारण नष्ट हो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि विषयाधीन लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया था।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/ 1418798, दिनांक 27-5-76 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और अतः

निवेश देना है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या प्रा०/पी-2(12)/ए एम-76/आर०एम-4/915]

MINISTRY OF COMMERCE**Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi****ORDER**

New Delhi, the 5th November, 1977

S.O. 3596.—M/s. Prestolite of India Ltd., Faridabad were granted import licence No. P/D/1418798 dated 27-5-76 for Rs. 2,14,000 for the import of raw materials and components as per list attached to it under I.D.A.

They have requested for issue of duplicate customs purpose copy of the said licence on the ground that the original custom purpose copy has been destroyed due to fire incident without having been registered with any Customs House. It has been further reported by the licensee that the Licence in question had not been utilised at all.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original customs purpose copy of import licence No. P/D/1418798 dt. 27-5-76 has been lost and hence directs that a duplicate customs purpose copy of the said licence should be issued to the applicant. The original customs purposes copy of licence is here by cancelled.

The duplicate customs purposes copy of the said licence is being issued separately.

[File No. Auto/P-2(12)AM-76/RM-IV/915]

आदेश

कां०आ० 3597.—सर्वश्री प्रेसटोलोइट इण्डिया लि०, फरीदाबाद को आई०डी०ए० क्रेडिट के अन्तर्गत सर्वन सूची के अनुसार कच्चे माल एवं सघटकों के आयात के लिए 4,28,000 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी 2423438, दिनांक 11-11-1976 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की भी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा शुल्क सदन में पंजीकृत कराए बिना ही आग लग जाने के कारण नष्ट हो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि विषयाधीन लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया था।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2423438, दिनांक 11-11-1976 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और अतः निवेश देना है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० प्रा०/पी-4(1) एएम-77 आर०एम० 6/916]

आर०पी०आयु, उप-मुख्य निर्यातक कृते सयुक्त मुख्य निर्यातक

ORDER

S.O. 3597.—M/s. Prestolite of India Ltd., Faridabad were granted import licence No. P/D/2423438 dated 11-11-76 for Rs. 4,28,000 for the import of raw materials and components as per list attached to it under IDA credit.

They have requested for issue of duplicate customs copy as well as Exchange Control copy of the said licence on the ground that the original customs purpose copy & Exchange control copy of the licence has been destroyed due to fire accident without having been registered in any customs House. It has been further reported by licensee that the licence in question had not been utilised at all.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original customs purpose copy as well as Exchange control copy of import licence No. P/D/2423438 dated 11-11-76 has been lost and hence directs that a duplicate customs purposes copy & Exchange control copy of the said licence should be issued to the applicant. The original customs purpose copy as well as Exchange control copy of licence is hereby cancelled.

The duplicate customs purpose and Exchange control copy of the said licence is being issued separately.

[File No. Auto/P-4(1) AM 77/RM IV/916]

R. P. BASU, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller.

उद्योग मंत्रालय

(अद्योतिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3598.—पेटेंट नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप पेटेंट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 159 की उपधारा (3) की अपेक्षाानुसार, उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2309, तारीख 30 जून, 1977 के साथ, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II), तारीख 16 जुलाई, 1977 के पृष्ठ 2529 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, एक मास की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उत्तरे प्रभावित होने की सम्भावना थी ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 16 जुलाई, 1977 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार की जनता से उक्त प्रारूप की जावन कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार पेटेंट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 159 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पेटेंट नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पेटेंट (संशोधन) नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पेटेंट नियम, 1972 के नियम 9 में उपनियम (1) में—

(i) “अंग्रेजी भाषा में” शब्दों के स्थान पर, “या तो हिन्दी में या अंग्रेजी में” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) “किसी हस्ताक्षर के सुवाच्य न होने पर” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “बड़े अक्षरों में अंग्रेजी में उसके नाम का लिप्यन्तरण लिखा गया होगा” शब्दों के साथ समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

“किसी ऐसे हस्ताक्षर के साथ जो सुवाच्य नहीं है, या जो हिन्दी में या अंग्रेजी में उस नाम का लिप्यन्तरण भी लिखा गया होगा।”

[फा०सं० 18(32)/74-पी एण्ड सी]

पी० आर० चन्द्रन, उप-सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Deptt. of Industrial Development)

New Delhi, the 28th October, 1977

S.O. 3598.—Whereas a draft of certain rules further to amend the Patents Rules, 1972, was published is required by Sub-section (3) of section 159 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), with the notification of the Ministry of Industry No. SO 2309 dated the 30th June, 1977, at page 2529 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 16th July, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of one month from the date on which the copies of the Official Gazette in which the notification was published were made available to the public ;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 16th July, 1977;

And whereas no objections or suggestions were received by the Central Government from the public on the said draft ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 159 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Patents Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Patents (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 9 of the Patents Rules, 1972, in sub-rule (1),—

(i) for the words “in the English language”, the words either in the Hindi or in the English language” shall be substituted ;

(ii) for the portion beginning with the words “Any signature which is not legible” and ending with the words “name in English in block letters”, the following shall be substituted, namely :—

“Any signature which is not legible or which is written in a script other than Hindi or English shall be accompanied by a transcription of the name either in Hindi or in English in block letters.”

[F. No. 18(32)/74-P&C]

P. R. CHANDRAN, Dy. Secy.

नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1977-11-04

का०आ० 3599.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (4) के अधीन प्राप्त अधिकारों के अनुसार नीचे अनुसूची में जिस IS: 8268—1976 के व्योरे दिए गए हैं, उनके उपबंधों में मानक चिह्न के उपयोग में गति लाने के उद्देश्य से परीक्षात्मक रूप में संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों के द्वारा भारतीय मानक के अनुसूच बने मान की गुणता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह अधिसूचना तुरंत ही लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रम संख्या भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक जिनके उपबंधों में संशोधन किया गया है

उपबंधों में किए गए संशोधनों का विवरण

1	2	3
1.	IS : 8268-1976 राईजोबियम निवेश द्रव की विधि	(पृ० 4, खण्ड 4.1 वाक्य 1) - वाक्य 1 के बाद निम्नलिखित वाक्य जोड़ लीजिए: “अथवा राईजोबियम निवेश द्रव्य परिवहन की स्थितियां बर्दाश्त करने में सक्षम पर्याप्त मजबूत अल्प घनत्व पॉलीइथाइलीन चबूटे कागज की छोटी थैलियों में पैक किया जाए।”

[संख्या सी एम डी/13 : 4]

ए० के० गुप्ता, महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION
INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1977-11-04

S.O. 3699.—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time modifications to the provisions of IS : 8268-1976, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standard. This notification shall come into force with immediate effect.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of Indian Standard the Provisions of which have been modified	Particulars of the Modifications made to the provisions
1	2
1. IS : 8268-1976 Specification for rhizobium inoculants	(Page 4, Clause 4.1, Sentence 1) - Add the following sentence after sentence 1 : “Alternatively, the RI may be packed in suitable low density polyethylene coated paper pouches of sufficient strength to withstand conditions of transport.”

[No. CMD/13 : 4]

A. K. GUPTA, Director General

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

क्रा०आ० 3600.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 के उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रदर्शित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिणित भूमि में बंधन स्थल सं० के० ई० एफ० 11 से० के०-92 से जी० जी० एम० 1 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

और यतः तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 30-10-76 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाईप लाइन के नियम 4 (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एम० द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करने हैं।

अनुसूची

के० ई० एफ०-II से के०-92 से जी० जी० एम० तक पाईप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	क्रा०आ० सं०	भारत के राजस्व में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम	जमीयतपुरा और सरप्या	1514	21-5-1977	30-10-76

[ग० 12020/4/77-प्रोडक्शन]

के० डी० देशपांडे, गुजरात के लिए नियमान्तर्गत सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3600.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the Schedule appended hereto and issued under Sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. No. KEX-11 to K-9 to GGSI in Kalol oil field in Gujarat State.

And Whereas the oil and Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 30-10-1976.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963 the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. KEX-11 to K-92 to GGSI.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication	Date of termination in the Gazette of India
Petroleum	Jamiyat pura Sertha	1514	21-5-1977	30-10-76

[No. 12020/4/77-Prod.]

K. V. DESHPANDE,

Competent Authority under the Act for Gujarat

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1977

कां०आ० 3601.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना कां० आ० सं० 437 तारीख 10-1-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल

कार्पोरेशन लि० में सभी संयंत्रों में मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

महसिल बीमा	जिला : जयपुर	राजस्थान	क्षेत्रफल		
ग्राम	खसरा नं०		हेक्टर	गैर	वर्ग-मीटर
1	2	3			
वेवरी	206	0	01		26
रजवाग	65	0	56		91
	63	0	02		53
	60	0	40		47
	53	0	08		85
	58	0	41		73
	75/1	0	18		97
	78	0	45		52
	77	0	01		26
	80	0	08		85
	79	0	01		26
	84	0	08		85
	85	0	07		59
	94	0	07		59
	100	0	08		85
	97	0	01		26
	103	0	24		03
जगमरायपुरा	2	0	50		58
हरियाण (हरनाथ पुरा)	61/7	0	37		94
	65/11	0	06		32
	65/10	0	08		85
	65/12	0	07		59
	90	0	21		50
झोपड़ी	11	0	10		12
	9	0	26		56
	12	0	06		32
	8	0	17		70
	16	0	44		26
	26	0	01		26
	2	0	16		44
	46	0	03		79
	49	0	06		32
	44	0	16		44
	51	0	22		76
	53	0	01		26
	52	0	18		97
खानबास	64	0	06		32
	63	0	06		32
	59	0	13		91
	60	0	03		79
	58	0	10		12
	56	0	05		06

1	2	3	1	2	3
	8	0 13 91		58/7	0 01 26
	6	0 13 91		55/1	0 02 53
	5	0 01 26			
	7	0 02 53	रामधला	73/10	0 02 53
	17	0 29 08		73/9	0 05 08
	28	0 01 26		73/8	0 01 26
मान्हेरा मुंवरपुरा	226	0 72 08		73/7	0 03 79
	237	0 27 82		73/5	0 02 53
	238	0 13 91		73/6	0 01 26
	236	0 29 08		73/4	0 13 91
	235	0 34 14			
	263	0 08 85	कानपुरा	175/3	0 02 53
	262	0 12 65		175/2	0 05 08
	275	0 72 08		175/1	0 06 32
	287	0 37 94		180/4	0 06 32
	307	0 20 23		180/2	0 01 26
	306	0 10 12		180/5	0 12 65
	305	0 12 65		180/7	0 11 38
	304	0 02 53		180/8	0 02 53
				155/2	0 12 65
अक हस्पटी	14/34/1	0 07 59		142/3	0 08 85
	14	0 21 50		141	0 01 26
	2	0 18 97		142/2	0 01 26
	3	0 13 91		133/13	0 10 12
मुंगरावता	329	0 13 91		133/14	0 24 03
	331	0 22 76		133/12	0 01 26
	335/1	0 16 44		133/11	0 05 06
	335/2	0 01 26		133/10	0 13 91
				133/9	0 05 08
विषरखा	29/5	0 03 79		132	0 12 65
	29/1	0 10 12		131/1	0 03 79
	29/2	0 10 12		131/2	0 02 53
	27/1	0 07 59		131	0 05 06
	4/2	0 03 79		130/2 एबं	0 06 32
	4/3	0 05 06		130/3	
	4/1	0 07 59		130/1	0 01 26
	5/1	0 06 32		126	0 02 53
	7/3	0 07 59		128/1	0 03 79
	7/4	0 07 59		127/एबं 127/1	0 18 97
	7/2	0 03 79			
विशमपुरा थारा	24	0 20 23			
	25	0 27 82	मानपुरा	1	0 05 06
नयागांव	40/4/101	0 25 29			
	40/4/100	0 15 18	बडागांव	766/9	0 20 23
	40/4/99	0 02 53		781/799/1	0 20 23
				781/799/2	0 13 91
कौत्यावाम	71/1	0 03 79		781/25	0 35 41
	71	0 12 65		781/24	0 01 26
	63/8	0 11 38		781/10	0 08 85
	63/9	0 11 38		781/9	0 07 59
	58/5	0 16 14		781/8	0 10 12
	58/6	0 05 06		782/2	0 03 79
	58/3	0 37 94		782/1	0 05 06
	58/2	0 11 38		782/3	0 02 53
	57	0 54 37			

1	2	3	1	2	3
रानीवास	7/2	0 07 59	धिकरिया	343/3	0 15 18
	7/1	0 02 53		341/7	0 02 53
	7/5	0 01 26		341/8	0 13 91
	8/4	0 02 53	मसूदा	744	0 24 03
	6/7	0 05 06		748	0 01 26
	8/9	0 03 79		739	0 20 23
	6/8	0 01 26		756	0 24 03
	11/3	0 02 53		734	1 02 43
	11/2	0 02 53		762	0 13 91
	11/5	0 05 06		730/1	0 93 58
	11/4	0 01 26		728/1457	0 10 12
	11/6	0 10 12		723	0 26 56
	11/7	0 02 53		721	0 40 47
	11/1	0 01 26		718	0 02 53
	12/5	0 20 23		702	0 26 56
	12/1	0 01 26		703	0 16 44
	18/4	0 02 53		668	0 02 53
	17/2	0 05 06		673/1	0 13 91
	17/1	0 01 26		673/2	0 25 29
	17/3	0 03 79		674	0 02 53
	17/4	0 08 85		675	0 01 26
	20/4	0 03 79		665	0 15 18
	51/5	0 02 53		638	0 16 44
	51/4	0 01 26		642	0 30 35
	51/1	0 02 53		645	0 15 18
	51/2	0 03 79		599	0 37 94
	50/2	0 08 85		533	0 15 18
	50/4	0 01 26		534	0 01 26
	50/3	0 17 70		535	0 12 65
	49/2	0 12 65		531	0 13 91
	49/1	0 07 59		530	0 08 85
	49/3	0 05 06		522	0 31 62
	49/4	0 01 26		519	0 20 23
	46/4	0 05 06		513	0 05 06
	45/4	0 10 12	हटारवा	29	0 01 26
	45/5	0 03 79		36	0 26 56
	45/3	0 03 79		25	0 12 65
	45/7	0 06 32		23	0 10 12
	45/8	0 06 32		16	0 11 38
	45/9	0 12 65		15	0 01 26
	45/10	0 03 79		14	0 17 70
	27/5	0 10 12		12	0 15 18
	27/4	0 01 26		9	0 01 26
	43/2	0 02 53	श्यालाबास	62/491	0 16 44
	43/1	0 07 59		62/495	0 17 70
	42/2	0 05 06		61	0 13 91
	42/3	0 05 06		60	0 24 03
	42/4	0 10 12		57	0 02 53
	37/1	0 03 79		41/437	0 13 91
	41/2	0 11 38		49	0 16 44
	41/3	0 10 12		49/452	0 03 32
	30/1	0 08 85		48	0 03 53
	30/4	0 13 91		47	0 51 85
लाहरी का बास	3	0 08 85			

1	2	3	1	2	3
	26	0 02 53	सराय	43	0 07 59
	27	0 49 32		42	0 08 85
	30	0 01 26		44	0 13 91
	28	0 18 97		41	0 10 12
	29	0 25 29		45	0 08 85
नौगलवापा	108	0 20 23		35	0 06 32
	225	0 25 29		48	0 20 23
	112	0 26 56		49	0 01 26
	113	0 02 53		62	0 10 12
	116	0 13 91		61	0 01 26
	115	0 05 06		50	0 01 26
	121/315	0 06 32		60	0 27 82
	121/314	0 25 29		57	0 13 91
	120	0 22 76		58	0 01 26
	219	0 34 14		81	0 11 38
	129	0 07 59		82	0 12 65
	135	0 45 52		5	0 06 32
	136	0 12 65		87	0 10 12
	138	0 03 79		96	0 05 06
	141	0 24 03		95	0 10 12
	139	0 01 26		99	0 01 26
	144/2	0 11 38		111	0 03 79
	144/1	0 06 32		109	0 13 91
	147	0 13 91		108	0 22 76
	161	0 02 53	[सं० 12020/15/76-प्रोपेशन-1]		
	208	0 07 59	New Delhi, the 30th October, 1977		
	207	0 02 53	S.O. 3601.—Whereas by a notification of Govt. of India in the Ministry of Petroleum S.O. 437 Dated 10-1-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines :		
	205	0 26 56	And whereas the Competent Authority has under sub section (1) of section 6 of the said Act submitted report to the Government.		
	200	0 02 53	And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :		
	198	0 22 76	Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines :		
	196	0 01 26	And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.		
	201	0 10 12	SCHEDULE		
मुंघिस्वा	1	0 03 79	Tehsil : Dausa District : Jaipur State : Rajasthan		
बारंही	60	0 05 06	Village Khasra No. Area		
	61	0 07 59	H. A. Sq.M		
	59	0 05 06	Deori, 206 0 01 26		
	62	0 12 65			
	54	0 11 38			
	53	0 21 50			
	52	0 34 14			
	72	0 20 23			
	114	0 07 59			
	109	0 10 12			
	106	0 08 85			
	107	0 01 26			
	85	0 11 38			
	84	0 10 12			
विरामना	118	0 29 08			
	114	0 26 56			
	88	0 11 38			
	87	0 18 97			

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rajwas	65	0	56	91	Mondera-	306	0	10	12
	63	0	02	53	Sunderpura (Contd)	305	0	12	65
	60	0	40	47		304	0	02	53
	53	0	08	85	Chak Harpatti	14/34/1	0	07	59
	58	0	41	73		14	0	21	50
	75/1	0	18	97		2	0	18	97
	78	0	45	52		3	0	13	91
	77	0	01	26	Dugrawata	329	0	13	91
	80	0	08	85		331	0	22	76
	79	0	01	26		335/1	0	16	44
	84	0	08	85		335/2	0	01	26
	85	0	07	59	Biderkha	29/5	0	03	79
	94	0	07	59		29/1	0	10	12
	100	0	08	85		29/2	0	10	12
	97	0	01	26		27/1	0	07	59
	103	0	24	03		4/2	0	03	79
Jagsaraipura	2	0	50	58		4/3	0	05	06
Haryana						4/1	0	07	59
Hernath pura	61/7	0	37	94		5/1	0	06	32
	65/11	0	06	32		7/3	0	07	59
	65/10	0	08	85		7/4	0	07	59
	65/12	0	07	59		7/2	0	03	79
	90	0	21	50	Kishanpura Bara	24	0	20	23
Jhopadi	11	0	10	12		25	0	27	82
	9	0	26	56	Nayagaon	40/4/101	0	25	29
	12	0	06	32		40/4/100	0	15	18
	8	0	17	70		40/4/99	0	02	53
	16	0	44	26	Koliyawas	71/1	0	03	79
	26	0	01	26		71	0	12	65
	2	0	16	44		63/8	0	11	38
	46	0	03	79		63/9	0	11	38
	49	0	06	32		58/5	0	16	44
	44	0	16	44		58/6	0	05	06
	51	0	22	76		58/3	0	37	94
	53	0	01	26		58/2	0	11	38
	52	0	18	97		57	0	54	37
Khanwas	64	0	06	32		58/7	0	01	26
	63	0	06	32		55/1	0	02	53
	59	0	13	91	Ramthala	73/10	0	02	53
	60	0	03	79		73/9	0	05	06
	58	0	10	12		73/8	0	01	26
	56	0	05	06		73/7	0	03	79
	8	0	13	91		73/5	0	02	53
	6	0	13	91		73/6	0	01	26
	5	0	01	26		73/4	0	13	91
	7	0	02	53	Kanpura	175/3	0	02	53
	17	0	29	08		175/2	0	05	06
	28	0	01	26		175/1	0	06	32
Mondera-						180/4	0	06	32
Sunderpura	226	0	72	08		180/2	0	01	26
	237	0	27	82		180/5	0	12	65
	238	0	13	91		180/7	0	11	38
	236	0	29	08		180/8	0	02	53
	235	0	34	14		155/2	0	12	65
	263	0	08	85		142/3	0	08	85
	262	0	12	65		141	0	01	26
	275	0	72	08		142/2	0	01	26
	287	0	37	94					
	307	0	20	23					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kanpura (Contd.)	133/13	0	10	12	Raniwas (Contd.)	45/3	0	03	7
	133/14	0	24	03		45/7	0	06	32
	133/12	0	01	26		45/8	0	06	32
	133/11	0	05	06		45/9	0	12	65
	133/10	0	13	91		45/10	0	03	79
	133/9	0	05	06		27/5	0	10	12
	132	0	12	65		27/4	0	01	26
	131/1	0	03	79		43/2	0	02	53
	131/2	0	02	53		43/1	0	07	59
	131	0	05	06		42/2	0	05	06
	130/2 & 130/3	0	06	32		42/3	0	05	06
	130/1	0	01	26		42/4	0	10	12
	126	0	02	53		37/1	0	03	79
	128/1	0	03	79		41/2	0	11	38
	127 & 127/1	0	18	97		41/3	0	10	12
Manpura . . .	1	0	05	06		30/1	0	08	85
Baragam . . .	766/9	0	20	23		30/4	0	13	91
	781/799/1	0	20	23	Lahodikawas . . .	3	0	08	85
	781/799/2	0	13	91	Tnikariya . . .	343/3	0	15	18
	781/25	0	35	41		341/7	0	02	53
	781/24	0	01	26		341/8	0	13	91
	781/10	0	08	85	Aluda	744	0	24	03
	781/9	0	07	59		748	0	01	26
	781/8	0	10	12		739	0	20	23
	782/2	0	03	79		756	0	24	03
	782/1	0	05	06		734	1	02	43
	782/3	0	02	53		762	0	13	91
Raniwas . . .	7/2	0	07	59		730/1	0	93	58
	7/1	0	02	53		728/1457	0	10	12
	7/5	0	01	26		723	0	26	56
	6/4	0	02	53		721	0	40	47
	6/7	0	05	06		718	0	02	53
	6/9	0	03	79		702	0	26	56
	6/8	0	01	26		703	0	16	44
	11/3	0	02	53		668	0	02	53
	11/2	0	02	53		673/1	0	13	91
	11/5	0	05	06		673/2	0	25	29
	11/4	0	01	26		674	0	02	53
	11/6	0		12		675	0	01	26
	11/7	0	02	53		665	0	15	18
	11/1	0	01	26		638	0	16	44
	12/5	0	20	23		642	0	30	35
	12/1	0	01	26		645	0	15	18
	18/4	0	02	53		599	0	37	94
	17/2	0	05	06		533	0	15	18
	17/1	0	01	26		534	0	01	26
	17/3	0	03	79		535	0	12	65
	17/4	0	08	85		531	0	13	91
	20/4	0	03	79		530	0	08	85
	51/5	0	02	53		522	0	31	62
	51/4	0	01	26		519	0	20	23
	51/1	0	02	53		513	0	05	06
	51/2	0	03	79	Itarda . . .	29	0	01	26
	50/2	0	08	85		36	0	26	56
	50/4	0	01	26		25	0	12	65
	50/3	0	17	70		23	0	10	12
	49/2	0	12	65		16	0	11	38
	49/1	0	07	59		15	0	01	26
	49/3	0	05	06		14	0	17	70
	49/4	0	01	26		12	0	15	18
	46/4	0	05	06		9	0	01	26
	45/4	0	10	12					
	45/5	0	03	79					

1	2	3	4	5
Shyalawas	62/491	0	16	44
	62/495	0	17	70
	61	0	13	91
	60	0	24	03
	57	0	02	53
	41/437	0	13	91
	49	0	16	44
	49/452	0	06	32
	48	0	02	53
	47	0	51	85
	26	0	02	53
	27	0	49	32
	30	0	01	26
	28	0	18	97
	29	0	25	29
Nagal Chapa	108	0	20	23
	225	0	25	29
	112	0	26	56
	113	0	02	53
	116	0	13	91
	115	0	05	06
	121/315	0	06	32
	121/314	0	25	29
	120	0	22	76
	219	0	34	14
	129	0	07	59
	135	0	45	52
	136	0	12	65
	138	0	03	79
	141	0	24	03
	139	0	01	26
	144/2	0	11	38
	144/1	0	06	32
	147	0	13	91
	161	0	02	53
	208	0	07	59
	207	0	02	53
	205	0	26	56
	200	0	02	53
	198	0	22	76
	196	0	01	26
	201	0	10	12
Mund Ghishya	1	0	03	99
Kharandi	60	0	05	06
	61	0	07	59
	59	0	05	06
	62	0	12	65
	54	0	11	38
	53	0	21	50
	52	0	34	14
	72	0	20	23
	114	0	07	59
	109	0	10	12
	106	0	08	85
	107	0	01	26
	85	0	11	38
	84	0	10	12
Virasna	118	0	29	08
	114	0	26	65
	88	0	11	38
	87	0	18	97

1	2	3	4	5
Sarai	43	0	07	59
	42	0	08	85
	44	0	13	91
	41	0	10	12
	45	0	08	85
	35	0	06	32
	48	0	20	23
	49	0	01	26
	62	0	10	12
	61	0	01	26
	50	0	01	26
	60	0	27	82
	57	0	13	91
	58	0	01	26
	81	0	11	38
	82	0	12	65
	5	0	06	32
	87	0	10	12
	96	0	05	06
	95	0	10	12
	99	0	01	26
	111	0	03	79
	109	0	13	91
	108	0	22	76

[No. 12020/15/76-Prod. I]

का० आ० 3602.---यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 666 तारीख 31-1-1977 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार के उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, प्रागे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन ग्रायल कारपोरेशन लि० में सभी संयंत्रों से मुक्त रूप से, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : फागी	जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान
ग्राम	अमरा नं०	क्षेत्रफल
		हेक्टर ऐयर वर्ग-मीटर
1	2	3 4 5
मेन्दबास	1796/2	0 01 26
	1797	0 01 26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मेन्धवास (क्रमशः)	1798	0	13	91	मीमेडा (क्रमशः)	1358	0	11	38
	1801	0	03	79		1357	0	03	79
	1800	0	13	70		1362	0	12	65
	1837	0	13	91		1363	0	07	59
	1836	0	01	26		1361	0	03	79
	1850/2379	0	15	18		1638	0	25	29
	1850	0	13	91		1639	0	02	53
	1851 }	0	12	65		1640	0	05	06
	1848 }					1620	0	12	65
	1852	0	18	97		1602	0	02	53
	1853 }					1619	0	22	76
	1854 }					1607	0	05	66
	1855 }	0	01	26		1606	0	16	44
	1856 }					1613	0	08	85
	1898 }					1697/1	0	15	18
	1899	0	06	32		1729	0	16	44
	1998 }					1728	0	18	97
	1999 }	0	01	26		1727	0	31	62
	2000 }					1826	0	02	53
	1997	0	12	65		1825	0	01	26
	1900	0	02	53		1807	0	01	26
	1996	0	01	26		1820	0	08	85
	1995	0	05	06		1819	0	01	26
	1993 }					1818	0	01	26
	1994 }					1817	0	06	32
	2008 }					1808	0	05	06
	2009 }	0	25	29		1805	0	03	79
	2010 }					1809	0	02	53
	2011 }					1804	0	03	79
	1992	0	27	82		1802	0	13	91
	1991	0	02	53		1792	0	01	26
	2020	0	15	18		1801	0	02	53
	1984	0	02	53		2049	0	05	06
	1985 }					2050	0	01	26
	1986 }					2051	0	06	32
	1987 }					2052	0	01	26
	1981 }	0	08	85		2053	0	06	32
	1982 }					2054	0	05	06
	1988 }					2060	0	03	79
	1990 }					2057	0	01	26
	1983	0	12	65		2058	0	11	38
मीमेडा	1102	0	27	82		2059	0	01	26
	1205	0	26	56		2800	0	10	12
	1226/1	0	18	97		2100	0	01	26
	1228	0	15	18		2799	0	03	79
	1249	0	18	97		2798	0	15	18
	1246	0	24	03		2797	0	05	06
	1256	0	02	53		2803	0	03	79
	1257	0	01	26		2804	0	02	53
	1255	0	10	12		2805	0	01	26
	1336	0	18	97		2834	0	02	53
	1335	0	02	53					
	1330	0	05	06					
	1331	0	12	65					
	1332	0	01	26					
	1347	0	22	76					
	1348	0	02	53					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सीमेडा (क्रमशः)	2833	0	02	53	तिमेडा (क्रमशः)	2945/2	0	07	59
	2830	0	10	12		2945/3	0	10	12
	2831	0	01	26		2945/5	0	24	03
	2829	0	02	53		2945/4	0	11	38
	2827	0	01	26	केरिया	449	0	08	85
	2826	0	07	59		456	0	31	62
	2825	0	02	53		460	0	12	65
	2821	0	01	26		461	0	02	53
	2824	0	06	32		462	0	23	91
	2823	0	02	53		471	0	08	85
	2873	0	07	59		470	0	08	85
	2870	0	01	26		478	0	03	79
	2871	0	01	26		477	0	05	06
	2872	0	03	79		497/2	0	37	94
	2874	0	05	06		502	0	08	85
	2884	0	10	12		290/2	0	08	85
	2883	0	01	26		291	0	03	79
	2882	0	03	79		290/3	0	06	32
	3071	0	11	38		288	0	07	59
	3070	0	01	26		289	0	08	85
	3069	0	05	06		286	0	18	97
	3068	0	01	26		282	0	15	18
	3067	0	01	26		265	0	32	88
	3078	0	01	26		266	0	11	38
	3066	0	08	85		267	0	17	70
	3065	0	01	26	कंवरपुरा	200	0	21	50
	3064	0	01	26		203	0	07	59
	3008	0	16	44		202	0	31	62
	3012	0	01	26		196	0	01	26
	3011	0	01	26		194	0	12	65
	3010	0	01	26		193	0	03	79
	3009	0	08	85		192	0	12	65
	3002	0	01	26		20	0	02	53
	3001	0	08	85		21	0	01	26
	2992	0	01	26		22	0	13	91
	2993	0	06	32		33	0	01	26
	2990	0	03	79		32	0	15	18
	2991	0	01	26		23	0	01	26
	2987	0	13	91		35	0	01	26
	2986	0	01	26		31	0	24	03
	2985	0	02	53		36	0	01	26
	2984	0	01	26		30	0	12	65
	2982	0	02	53		38	0	15	18
	2983	0	01	26		52	0	12	65
	2963	0	01	26		53	0	03	79
	2964	0	06	32		71	0	02	53
	2965	0	07	59		80	0	01	26
	2966	0	01	26		72	0	12	65
	2951	0	11	38		79	0	01	26
	2950	0	01	26		75	0	08	85
	2949	0	03	79		78	0	01	26
						77	0	06	32

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कंवरपुरा (क्रमशः)	96/8/1	0	24	03	मांवी (क्रमशः)	896/1	0	01	26
	96/5	0	03	79		1015	0	15	18
	96/8/3	0	11	38		1014	0	03	79
	96/11	0	32	88		1013	0	13	91
रतनपुरा	157	0	06	32	मथमनपुरा	61	0	72	08
	155	0	18	97		60	5	15	18
	98/1	0	30	35		8	0	21	50
	22/1	0	27	82		7	0	29	09
	25	0	01	26		10	1	36	58
	26	0	06	32	हथेली	1	0	63	23
	27/1	0	01	26		4	0	35	41
	27/2	0	06	32	खेड़ा हनुमानजी	131	0	45	53
	28	0	05	06		317	0	17	70
	29	0	12	65	माधोराजपुरा	2239/1	0	30	59
	30	0	02	53		2235	0	01	26
	44	0	05	06	मिराभा	937/2	0	18	97
	45	0	02	53		937/1/2	0	18	97
	46	0	07	59		937/1/3	0	12	65
	42	0	01	26		937/1/4	0	11	38
	47	0	01	26	जुगलकिशोरपुरा	984	0	06	32
	48	0	10	12		45/1	0	02	53
	51	0	12	65		44/1	0	20	23
	63	0	06	32		44/2	0	02	53
	59/1	0	13	91		43/1	0	01	26
	59/2	0	06	32		43/2	0	12	65
	59	0	02	53		34/2	0	20	23
	400/1 } 400/3 }	0	13	91		24/6	0	05	06
	401	0	08	85		24/5	0	16	44
	402	0	01	26		50/2	0	02	53
मांवी	848	0	03	79		30/1	0	08	85
	954	0	26	56		30/2	0	10	12
	955	0	08	85		26/3	0	16	44
	953	0	08	85		26/2	0	30	35
	956/3	0	15	18	बीची	37	0	10	12
	949	0	03	79		9	0	08	35
	966	0	15	18		10	0	10	12
	967	0	11	38		12	0	05	06
	969	0	01	26		13	0	03	79
	970	0	32	88		15	0	06	32
	964	0	01	26		14	0	12	65
	976	0	08	85		23	0	15	18
	975	0	15	18		22	0	08	85
	974	0	02	53		21	0	24	03
	983	0	12	65		20	0	01	26
	984	0	16	44		19	0	18	97
	981	0	01	26		72	0	07	59
	994	0	13	91		73	0	18	97
	995	0	01	26		74	0	13	91
	998	0	11	38		75	0	13	91
	999	0	15	18		76	0	01	26
	1009	0	08	85		1	0	08	85
	1010	0	17	70		931	0	01	26
	896/2	0	13	91					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भाँकरोटा	932/3	0	16	44	गोपालपुर क्रमश	1265	0	10	12
	940	0	20	23		1256	0	03	79
	941	0	10	12		1263	0	15	18
	942	0	07	59		1259	0	05	08
	943	0	01	26		1260	0	36	67
	939	0	16	44		1362	0	30	35
	944	0	21	50		1363	0	46	80
	947	0	08	85		1370	0	08	85
	947/1314/3	0	12	65		1376	0	25	29
	947/1314/1	0	08	85		1378	0	18	97
	947/1314/2	0	06	32		1379	0	13	91
	1232/10	0	01	26		1383	0	07	59
	1232/7	0	31	62		1381	0	20	23
	1232/9	0	15	18	झाबिस	797	0	88	90
	1232/2	0	15	18		814	0	07	59
	1232/3	0	15	18		812/1804	0	03	79
	1232/4	0	13	91		812/1803	0	11	39
	1232/11	0	08	85		812	0	18	44
	1232/6	0	06	32		846	0	12	65
	1244	0	87	26		842	0	07	59
	1238	0	10	12		845	0	03	79
	1247	0	01	26		846	0	02	53
	1242	0	30	35		844	0	15	18
	1243	0	16	44		859	0	26	56
	1212/2	0	03	79		861	0	12	65
	1207	0	01	26		862	0	20	23
गोपालपुर	1057	0	24	03		863	0	02	53
	1055	0	02	53		1388	0	08	85
	1056	0	15	18		1389	0	25	29
	1037	0	21	50	श्री रामजीपुरा	2/1	0	13	91
	1038	0	18	97		2/2	0	12	65
	1039	0	07	59		2/3	0	15	18
	1020	0	21	50		5/1	0	15	18
	1021	0	13	91		5/2	0	02	53
	1019	0	10	12		12/1	0	34	15
	1018	0	15	18		12/2	0	31	62
	1015	0	25	29		13	0	32	88
	1016	0	05	06		14	0	17	70
	964/1	0	06	32		17	0	08	85
	1113	0	03	79		21	0	02	53
	1115	0	15	18		19	0	05	06
	1117	0	06	32					
	1118	0	02	53					
	1121	0	15	18					
	1120	0	36	67					
	1183	0	06	32					
	1182	0	17	70					
	1194	0	11	38					
	1193	0	01	26					
	1247	0	27	82					
	1254	0	05	06					
	1253	0	05	06					
	1252	0	12	65					
	1255	0	07	59					

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-II]

S.O. 3602.—Whereas by a notification of Govt. of India in the Ministry of Petroleum S.O. 666 dated 31-1-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines :

And whereas the Competent Authority has under sub section (1) of section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :

Now therefore in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Phagi		District : Jaipur		State : Rajasthan	
Village	Khasia No.	Area			
		H	A.	Sq.M.	
1	2	3	4	5	
Mendwas	1796/2	0	01	26	
	1797	0	01	26	
	1798	0	13	91	
	1801	0	03	79	
	1800	0	17	70	
	1837	0	13	91	
	1836	0	01	26	
	1850/2379	0	15	18	
	1850	0	13	91	
	1851	0	12	65	
	1848				
	1852				
	1853	0	01	26	
	1854				
	1855				
	1856				
	1998	0	06	32	
	1996				
	1899				
	1998	0	01	26	
	1999				
	2000				
	1997	0	12	65	
	1900	0	02	53	
	1996	0	01	26	
	1995	0	05	06	
	1993	0	25	29	
	1994				
	2008				
	2009				
	2010	0	27	82	
	2011				
	1992				
	1991	0	02	53	
	2020	0	15	18	
	1984	0	02	53	
	1985	0	08	85	
	1986				
	1987				
	1981				
	1982				
	1988	0	12	65	
	1990				
	1983	0	12	65	

1	2	3	4	5
Neemera	1102	0	27	82
	1205	0	26	56
	1226/1	0	18	97
	1228	0	15	18
	1249	0	18	97
	1246	0	24	03
	1256	0	02	53
	1257	0	01	26
	1255	0	10	12
	1336	0	18	97
	1335	0	02	53
	1330	0	05	06
	1331	0	12	65
	1332	0	01	26
	1347	0	22	76
	1348	0	02	53
	1358	0	11	38
	1357	0	03	79
	1362	0	12	65
	1363	0	07	59
	1361	0	03	79
	1638	0	25	29
	1639	0	02	53
	1640	0	05	06
	1620	0	12	65
	1602	0	02	53
	1619	0	22	76
	1607	0	05	06
	1606	0	16	44
	1613	7	08	85
	1697/1	0	15	18
	1729	0	16	44
	1728	0	18	97
	1727	0	31	62
	1826	0	02	53
	1825	0	01	26
	1807	0	01	26
	1820	0	08	85
	1819	0	01	26
	1818	0	01	26
	1817	0	06	32
	1808	0	05	06
	1805	0	03	79
	1809	0	02	53
	1804	0	03	79
	1802	0	13	91
	1792	0	01	26
	1801	0	02	53
	2049	0	05	06
	2050	0	01	26
	2051	0	06	32
	2052	0	01	26
	2053	0	06	32
	2054	0	05	06
	2060	0	03	79
	2057	0	01	26
	2058	0	11	38
	2059	0	01	26
	2800	0	10	12
	2100	0	01	26
	2799	0	03	79
	2798	0	15	18
	2797	0	05	06
	1803	0	03	79
	2804	0	02	53

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Neemera (Contd.)	2805	0	01	26	Keria (Contd.)	470	0	08	85
	2834	0	02	53		478	0	03	79
	2833	0	02	53		477	0	05	06
	2830	0	10	12		497/2	0	37	94
	2831	0	01	26		502	0	08	85
	2829	0	02	53		290/2	0	08	85
	2827	0	01	26		291	0	03	79
	2826	0	07	59		290/3	0	06	32
	2825	0	02	53		288	0	07	59
	2821	0	01	26		289	0	08	85
	2824	0	06	32		286	0	18	97
	2823	0	02	53		282	0	15	18
	2873	0	07	59		265	0	32	88
	2870	0	01	26		266	0	11	38
	2871	0	01	26		267	0	17	70
	2872	0	03	79					
	2874	0	05	06	Kanwarpura	200	0	21	50
	2884	0	10	12		203	0	07	59
	2883	0	01	26		202	0	31	62
	2882	0	03	79		196	0	01	26
	3071	0	11	38		194	0	12	65
	3070	0	01	26		193	0	03	79
	3069	0	05	06		192	0	12	65
	3068	0	01	26		20	0	02	53
	3067	0	01	26		21	0	01	26
	3078	0	01	26		22	0	13	91
	3066	0	08	85		33	0	01	26
	3065	0	01	26		32	0	15	18
	3064	0	01	26		23	0	01	26
	3008	0	16	44		35	0	01	26
	3012	0	01	26		31	0	24	03
	3011	0	01	26		36	0	01	26
	3010	0	01	26		30	0	12	65
	3009	0	08	85		38	0	15	18
	3002	0	01	26		52	0	12	65
	3001	0	08	85		53	0	03	79
	2992	0	01	26		71	0	02	53
	2993	0	06	32		80	0	01	26
	2990	0	03	79		72	0	12	65
	2991	0	01	26		79	0	01	26
	2987	0	13	91		75	0	08	85
	2986	0	01	26		78	0	01	26
	2985	0	02	53		77	0	06	32
	2984	0	01	26		96/8/1	0	24	03
	2982	0	02	53		96/5	0	03	79
	2983	0	01	26		96/8/3	0	11	38
	2963	0	01	26		96/11	0	32	88
	2964	0	06	32					
	2965	0	07	59	Ratanpura	157	0	06	32
	2966	0	01	26		155	0	18	97
	2951	0	11	38		98/1	0	30	35
	2950	0	01	26		22/1	0	27	82
	2949	0	03	79		25	0	01	26
	2945/2	0	07	59		26	0	06	32
	2945/3	0	10	12		27/1	0	01	26
	2945/5	0	24	03		27/2	0	06	32
	2945/4	0	11	38		28	0	05	06
						29	0	12	65
						30	0	02	53
Keria	449	0	08	85		44	0	05	06
	456	0	31	62		45	0	02	53
	460	0	12	65		46	0	07	59
	461	0	02	53		42	0	01	26
	462	0	13	91		47	0	01	26
	471	0	08	85		48	0	10	12

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Ratanpura (Contd.)	51	0	12	65	Jugalkishorpura	50/2	0	02	53
	63	0	06	32	(contd.)	30/1	0	08	85
	59/1	0	13	91		30/2	0	10	12
	59/2	0	06	32		26/3	0	16	44
	59	0	02	53		26/2	0	30	35
	400/1	0	13	91	Beechi	37	0	10	12
	400/3					9	0	08	85
	401	0	08	85		10	0	10	12
	402	0	01	26		12	0	05	06
Mandi	848	0	03	79		13	0	03	79
	954	0	26	56		15	0	06	32
	955	0	08	85		14	0	12	65
	953	0	08	85		23	0	15	18
	956/3	0	15	18		22	0	08	85
	949	0	03	79		21	0	24	03
	966	0	15	18		20	0	01	26
	967	0	11	38		19	0	18	97
	969	0	01	26		72	0	07	59
	770	0	32	88		73	0	18	97
	764	0	01	26		74	0	13	91
	976	0	08	85		75	0	13	91
	975	0	15	18		76	0	01	26
	974	0	02	53		1	0	08	85
	983	0	12	65	Bhankorta	931	0	01	26
	984	0	16	44		932/3	0	16	44
	981	0	01	26		940	0	20	23
	994	0	13	91		941	0	10	12
	995	0	01	26		942	0	07	59
	998	0	11	38		943	0	01	26
	999	0	15	18		939	0	16	44
	1009	0	08	85		944	0	21	50
	1010	0	17	70		947	0	08	85
	896/2	0	13	91		947/1314/3	0	12	65
	896/1	0	01	26		947/1314/1	0	08	85
	1015	0	15	18		947/1314/2	0	06	32
	1014	0	03	79		1232/10	0	01	26
	1013	0	13	91		1232/7	0	31	62
Nathmalpura	61	0	72	08		1232/9	0	15	18
	60	0	15	18		1232/2	0	15	18
	8	0	21	50		1232/3	0	15	18
	7	0	29	09		1232/4	0	13	91
	10	1	36	58		1232/11	0	08	85
Hetheli	1	0	63	23		1232/6	0	06	32
	4	0	35	41		1244	0	87	26
Khera Hanumanji	131	0	45	53		1238	0	10	12
	317	0	17	70		1247	0	01	26
Madhorajpura	2239/1	0	50	59		1242	0	30	35
	2235	0	01	26		1243	0	16	44
Jharana	937/2	0	18	97		1212/2	0	03	79
	937/1/2	0	18	97		1207	0	01	26
	937/1/3	0	12	65	Gopalpura	1057	0	24	03
	937/1/4	0	11	38		1055	0	02	53
	984	0	06	32		1056	0	15	18
Jugalkishorpura	45/1	0	02	53		1037	0	21	50
	44/1	0	20	23		1038	0	18	9 7
	44/2	0	02	53		1039	0	07	59
	43/1	0	01	26		1020	0	21	50
	43/2	0	12	65		1021	0	13	91
	34/2	0	20	23		1019	0	10	12
	24/6	0	05	06		1018	0	15	18
	24/5	0	16	44		1015	0	25	29
						1016	0	05	06

1	2	3	4	5
Gopalpura	964/1	0	06	32
	1113	0	03	79
(Contd.)	1115	0	15	18
	1117	0	06	32
	1118	0	02	53
	1121	0	15	18
	1120	0	36	67
	1183	0	06	32
	1182	0	17	70
	1194	0	11	38
	1193	0	01	26
	1247	0	27	82
	1254	0	05	06
	1253	0	05	06
	1252	0	12	65
	1255	0	07	59
	1265	0	10	12
	1256	0	03	79
	1263	0	15	18
	1259	0	05	06
	1260	0	36	67
	1362	0	30	35
	1363	0	46	80
	1370	0	08	85
	1376	0	25	29
	1378	0	18	97
	1379	0	13	91
	1383	0	07	57
	1381	0	20	23
Davich	797	0	56	70
	814	0	07	59
	812/1804	0	03	79
	812/1803	0	11	38
	812	0	16	44
	840	0	12	65
	842	0	07	59
	845	0	03	77
	846	0	02	53
	844	0	15	18
	859	0	26	56
	861	0	12	65
	862	0	20	23
	863	0	02	53
	1388	0	08	85
	1389	0	25	29
Shri Ramjipura	2/1	0	13	71
	2/2	0	12	65
	2/3	0	15	18
	5/1	0	15	18
	5/2	0	02	53
	12/1	0	34	15
	12/2	0	31	62
	13	0	32	88
	14	0	17	70
	17	0	08	85
	21	0	02	53
	19	0	05	06

[No. 12020/15/76-Prod. II]

कां.प्र. 3603.—यस: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (I) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम

मंत्रालय की अधिसूचना कां.प्र. सं. 434 तारीख 10-1-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था।

और यतः महम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन प्रायल कारपोरेशन लि० में सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : धाबू रोड	जिला : सिरोही	राज्य : राजस्थान			
ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल			
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	
आरा	26	0	01	26	
	32	0	21	50	
	33	0	05	06	
	38	1	78	31	
बासड़ा	550	0	10	12	
	552	0	01	28	
	556	0	01	26	
	561	0	15	18	
	562	0	16	44	
	801	0	12	65	
	811	0	01	26	
	812	0	08	32	
	813	0	03	79	
	815	0	07	59	
	817	0	13	91	
सावल	928	0	06	32	
	928	0	11	38	
	923	0	16	44	
	948	0	08	85	
	954	0	08	85	
	953	0	26	56	
	952	0	18	97	
	978	0	02	53	
	975	0	32	88	
	977	0	01	26	
	956	0	01	26	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
नाम (क्रमः)	974	0	32	88	ब्राह्मणी (क्रमः)	395	0	20	23
	634	0	40	47		387	0	34	15
	592	0	16	44		382	0	01	26
	588	0	11	38		381	0	13	91
	580	0	13	18		373	0	45	53
	581	0	06	32		370	0	69	56
	582	0	01	26	भाषा रोड	237	0	00	99
	577	0	12	65		238	0	08	68
	568	0	17	71		244	0	18	97
	564	0	01	26		245	0	01	26
	565	0	03	79		246	0	01	26
	563	0	13	91		151	0	11	38
	561	0	01	26		152	0	06	32
	562	0	01	26		156	0	12	65
	558	0	05	06		157	0	10	12
	554	0	05	06		172	0	01	26
	556	0	02	53		161	0	03	79
	555	0	07	59		168	0	02	53
	487	0	02	53		167	0	05	06
	488	0	26	56		164	0	15	18
	488	0	11	38		163	0	03	06
	486	0	11	38		129	0	10	12
	487	0	07	59		118	0	01	26
	514	0	10	12		119	0	05	06
	515	0	20	23		125	0	20	23
	511	0	02	53		126	0	01	26
	512	0	01	26					
ब्राह्मणी	12	0	02	53	नरसी	352	0	06	32
	11	0	18	97		348	0	12	65
	10	0	20	23		350	0	08	85
	9	0	01	26		351	0	01	26
	8	0	03	79		336	0	15	18
	1	0	02	53		335	0	41	73
	4	0	02	53		327	0	05	06
	97	0	03	79		370	0	13	91
ब्राह्मणी	442	0	10	12		369	0	08	85
	441	0	05	06		367	0	13	91
	447	0	02	53	ब्राह्मणी	569	0	21	50
	446	0	02	53		585	0	12	65
	436	0	07	59		566	0	01	26
	449	0	06	32		568	0	18	97
	451	0	12	65		567	0	13	91
	452	0	11	38		583	0	17	71
	453	0	15	18		519	0	06	32
	432	0	18	97		544	0	02	53
	433	0	05	06		543	0	08	85
	462	0	08	85		542	0	08	85
	415	0	37	94		221	0	01	26
	414	0	11	38		222	0	08	85
	393	0	10	12		223	0	15	18
	390	0	20	23		224	0	13	91
	391	0	01	26		225	0	12	85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बहाल (क्रमशः)	260	0	01	26	मोरबला (क्रमशः)	53	0	02	53
	226	0	02	53		52	0	07	59
	259	0	24	03		46	0	11	38
	255	0	24	03		45	0	10	12
	254	0	21	50		13	0	07	59
	271	0	16	44		12	0	10	12
	138	0	01	26		8	0	10	12
	137	0	11	38	किबरली	1320	0	03	79
	136	0	08	85		1321	0	11	38
	135	0	08	85		1314	0	20	23
	124	0	08	85		1315	0	01	26
	119	0	10	12		1316	0	03	79
	117	0	11	38		1303	0	07	59
और	311	0	20	23		1302	0	08	85
	308	0	16	44		1301	0	10	12
	306	0	18	97		1300	0	05	06
	300	0	06	32		1292	0	16	44
	298	0	07	59		1288	0	20	23
	295	0	06	32		1286	0	11	38
	287	0	12	65		1287	0	11	38
	286	0	13	91		1273	0	12	65
	284	0	10	12		1271	0	05	06
	229	0	02	53		1270	0	08	85
	226	0	03	79		1257	0	03	79
	225	0	10	12		1256	0	06	32
	224	0	10	12		1255	0	01	26
	223	0	15	18		1243	0	08	85
	216	0	12	65		1235	0	01	26
	210	0	08	85		1242	0	06	32
	209	0	01	26		1241	0	07	59
	200	0	07	59		1234	0	01	26
	199	0	05	06		1231	0	01	10
	195	0	01	26		1232	0	12	65
	194	0	03	79		1233	0	01	26
	193	0	08	85		1228	0	03	79
	192	0	13	91		1229	0	01	26
	185	0	16	44		1220	0	02	53
	198	0	16	44		1205	0	05	06
	180	0	26	56		1202	0	06	32
	35	0	01	26		1203	0	03	79
	34	0	03	79		1204	0	08	85
	33	0	10	12		904	0	01	26
	30	0	17	71		905	0	11	38
	29	0	01	26		910	0	05	06
	10	0	01	26		911	0	05	06
	14	0	01	26		912	0	07	59
	13	0	12	65		920	0	05	06
	12	0	11	38		918	0	06	32
	11	0	11	38		925	0	07	59
	1	0	10	12		926	0	03	79
मोरबला	56	0	12	65		927	0	03	79
	54	0	15	18		928	0	06	32
						929	0	10	12

1	2	3	4	5
किबरली (क्रमशः):	943	0	02	53
	944	0	12	65
	963	0	12	65
	962	0	02	53
	964	0	18	97
	965	0	02	53
	978	0	08	85
	993	0	05	06
	979	0	08	85
	992	0	05	06
	989	0	10	12
	853	0	03	79
	852	0	01	26
	851	0	02	53
	848	0	12	65
	847	0	12	65
	856	0	17	71
	855	0	02	53
	854	0	03	79
	831	0	03	79
	784	0	08	75
	782	0	16	44
	781	0	21	50
	780	0	02	53
	779	0	01	26
	774	0	02	53
	765	0	01	26
	569	0	20	23
	568	0	08	85
	564	0	18	97
	771	0	21	50
	766	0	06	32
	764	0	03	79
	559	0	12	65
	558	0	12	65
	557	0	11	38
	536	0	03	79

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-3]

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 3603.—Whereas by a notification of Govt. of India in the Ministry of Petroleum S.O. 434 Dated 10-1-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub section (1) of section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : ABU ROAD District : SIROHI State: RAJASTHAN

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq.M.
1	2	3	4	5
Khara	26	0	01	26
	32	0	21	50
	33	0	05	06
	38	1	78	31
Wasra	550	0	10	12
	552	0	01	26
	556	0	01	26
	561	0	15	18
	562	0	16	44
	801	0	12	65
	811	0	01	26
	812	0	06	32
	813	0	03	79
	815	0	07	59
	817	0	13	71
	926	0	06	32
Maval	928	0	11	38
	923	0	16	44
	948	0	08	85
	954	0	08	85
	953	0	26	56
	952	0	18	97
	978	0	02	53
	975	0	32	88
	977	0	01	26
	956	0	01	26
	974	0	32	88
	934	0	40	47
	592	0	16	44
	588	0	11	38
	580	0	15	18
	581	0	06	32
	582	0	01	26
	577	0	12	65
	568	0	17	71
	564	0	01	26
	565	0	03	79
	563	0	13	91
	561	0	01	26
	562	0	01	26
	558	0	05	06
	554	0	05	06
	556	0	02	53
	555	0	07	59
	487	0	02	53
	488	0	26	56
	498	0	11	38
	496	0	11	38

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Maval (Contd.)	497	0	07	59	Tartoli (Contd.)	327	0	05	06
	514	0	10	12		370	0	13	91
	515	0	20	23		369	0	08	85
	511	0	02	53		367	0	13	91
	512	0	01	26					
Amba	12	0	02	53	Khadat	569	0	21	50
	11	0	18	97		565	0	12	65
	10	0	20	23		566	0	01	26
	9	0	01	26		568	0	18	97
	8	0	03	79		567	0	13	91
	1	0	02	53		583	0	17	71
	4	0	02	53		519	0	06	32
	97	0	03	79		544	0	02	53
Chandrawti	422	0	10	12		543	0	08	85
	441	0	05	06		542	0	08	85
	447	0	02	53		221	0	01	26
	446	0	02	53		222	0	08	85
	436	0	07	59		223	0	15	18
	449	0	06	32		224	0	13	91
	451	0	12	65		225	0	12	65
	452	0	11	38		260	0	01	26
	453	0	15	18		226	0	02	53
	432	0	18	97		259	0	24	03
	433	0	05	06		255	0	24	03
	462	0	08	85		254	0	21	50
	415	0	37	94		271	0	16	44
	414	0	11	38		138	0	01	26
	393	0	10	12		137	0	11	38
	390	0	20	29		136	0	08	85
	391	0	01	26		135	0	08	85
	395	0	20	29		124	0	08	85
	387	0	34	15		119	0	10	12
	382	0	01	26		117	0	11	38
	381	0	13	91		311	0	20	23
	373	0	45	53		308	0	16	44
	370	0	69	56		306	0	18	97
Abu Road	237	0	00	99		300	0	06	32
	238	0	08	68		298	0	07	59
	244	0	18	97		295	0	06	32
	245	0	01	26		287	0	12	65
	246	0	01	26		286	0	13	91
	151	0	11	38		284	0	10	12
	152	0	06	32		229	0	02	53
	156	0	12	65		226	0	03	79
	157	0	10	12		225	0	10	12
	172	0	01	26		224	0	10	12
	161	0	03	79		223	0	15	18
	168	0	02	53		216	0	12	65
	167	0	05	06		210	0	08	85
	164	0	15	18		209	0	01	26
	163	0	05	06		200	0	07	59
	129	0	10	12		199	0	05	06
	118	0	01	26		195	0	01	26
	119	0	05	06		194	0	03	79
	125	0	20	23		193	0	08	85
	126	0	01	26		192	0	13	91
Tartoli	352	0	06	32		185	0	16	44
	348	0	12	65		198	0	16	44
	350	0	08	85		180	0	26	56
	351	0	01	26		35	0	01	26
	336	0	15	18		34	0	03	79
	335	0	41	73		33	0	10	12
						30	0	17	71
						28	0	01	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
OR (Contd.)	10	0	01	26	963	0	12	65	
	14	0	01	26	962	0	02	53	
	13	0	12	65	964	0	18	97	
	12	0	11	38	965	0	02	53	
	11	0	11	38	978	0	08	85	
	1	0	10	12	993	0	05	06	
					979	0	08	85	
Morthala	55	0	12	65	992	0	05	06	
	54	0	15	18	989	0	10	12	
	53	0	02	53	853	0	03	79	
	52	0	07	59	852	0	01	26	
	46	0	11	38	851	0	02	53	
	45	0	10	12	848	0	12	65	
	13	0	07	59	847	0	12	65	
	12	0	10	12	856	0	17	71	
	8	0	10	12	855	0	02	53	
					854	0	03	79	
Kiwarli	1320	0	03	79	831	0	03	79	
	1321	0	11	38	784	0	08	85	
	1314	0	20	23	782	0	16	44	
	1315	0	01	26	781	0	21	50	
	1316	0	03	79	780	0	02	53	
	1303	0	07	59	779	0	01	26	
	1302	0	08	85	774	0	02	53	
	1301	0	10	12	765	0	01	26	
	1300	0	05	06	569	0	20	23	
	1292	0	16	44	568	0	08	85	
	1288	0	20	23	564	0	18	97	
	1286	0	11	38	771	0	21	50	
	1287	0	11	38	766	0	06	32	
	1273	0	12	65	764	0	03	79	
	1271	0	05	06	559	0	12	65	
	1270	0	08	85	558	0	12	65	
	1257	0	03	79	557	0	11	38	
	1256	0	06	32	536	0	03	79	
	1255	0	01	26					
	1243	0	08	85					
	1235	0	01	26					
	1242	0	06	32					
	1241	0	07	59					
	1234	0	01	26					
	1231	0	01	10					
	1232	0	12	65					
	1233	0	01	26					
	1228	0	03	79					
	1229	0	01	26					
	1220	0	02	53					
	1205	0	05	06					
	1202	0	06	32					
	1203	0	03	79					
	1204	0	08	85					
	904	0	01	26					
	905	0	11	38					
	910	0	05	06					
	911	0	05	06					
	912	0	07	59					
	920	0	05	06					
	918	0	06	32					
	925	0	07	59					
	926	0	03	79					
	927	0	03	79					
	928	0	06	32					
	929	0	10	12					
	943	0	02	53					
	944	0	12	65					

[No. 12020/15/76—Prod. III]

NARENDRA SINGH, Competent Authority,
Rajasthan State

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1977

का० ग्रा० 3604.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० ग्रा० सं० 4817 तारीख 25-12-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में बहिष्कृत होने के बजाय इन्डियन आयल कारपोरेशन लि० में सभी भारों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तालुका	वीरमगम	जिला : अहमदाबाद	राज्य : गुजरात		
गाँव	क्रम सं०	क्षेत्रफल	एकड़	वर्ग	मीटर
साचना	837 पी ए	0	19	50	
	837 पी० बी०	0	32	00	
	844	0	03	50	
	845	0	46	70	
	973	0	11	00	
	1130	0	12	10	
	1025	0	10	50	
मखवाड़ा	688	0	17	65	
	687	0	16	10	
	569	0	09	15	

[सं० 12020/9/76-प्रोडक्शन]

टी० पी० मुब्राह्मनियन, अवर सचिव

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3604. Whereas by a notification of the Govt of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 4817 Dated 25-12-76 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines :

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on the date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Viramgam	District : Ahmedabad	State : Gujarat		
Village	S. No.	Extent		
		H.	A.	Sq. M.
Sachana	837 PA	0	19	50
	837 PB	0	32	00
	844	0	03	50
	845	0	46	70
	973	0	11	00

1	2	3	4	5
	1130	0	12	10
	1025	0	10	50
Jakhwada	688	0	17	65
	687	0	16	10
	569	0	09	15

[No. 12020/9/76—Prod.]

T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(कौंसली प्रभाग)

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3605.—राजनयिक एवं कौंसली अधिकारी (गणप एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वाँ) की धारा 2 के खंड (क) के अनुपालन में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का प्रधान कौंसलावास, न्यूयार्क, में सहायक, श्री एम० एन० शर्मा को तत्काल से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/1/77]

एम० एन० गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Consular Division)

New Delhi, 31st October, 1977

S.O. 3605.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorised M. N. Sharma, Assistant in the Consulate General of India, New York to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330/1/77]

S. N. GOAL, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3606.—कृषि नियमों का निम्नलिखित प्राकल्प, जिसे केन्द्रीय सरकार पशु-श्रुतना निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 की उपधारा (2) के खंड (ठ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त अधिनियम की धारा 38 की उपधारा (1) की अपेक्षा अनुसार उन सभी व्यक्तियों की सूचनायें प्रकाशित किया जाता है जिन के उस से प्रभावित होने की संभावना है तथा सूचना दी जाती है कि नियमों के उक्त प्राकल्प पर उन तारीख से पेंनामीस दिन की अवधि समाप्त होने पर विचार किया जायेगा, जिस तारीख को उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित हुई है, जनता को उपलब्ध हो जायेगी।

केन्द्रीय सरकार उक्त नियमों के प्राकल्प के संबंध में किये गये व्यक्ति से इस प्रकार विनिश्चित अवधि समाप्त होने से पहले प्राप्ता प्राप्तियों तथा मुद्दाओं पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशु-श्रुता निवारण (जुमनि का उपयोग) नियम, 1977 है।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से पशु-श्रुता निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) है ;

(ख) "बोर्ड" से अधिनियम के अधीन स्थापित पशु कल्याण बोर्ड अभिप्रेत है ;

(ग) "जुमनि" से अधिनियम के अधीन उद्घाटीन जुमनि अभिप्रेत है।

3. जुमनि की राशि को, बसूली के खर्च काटने के पश्चात् बोर्ड को सौंपना :—अधिनियम के अन्तर्गत उद्घाटीन तथा बसूली की गई जुमनि की समस्त धनराशि, उसे बसूल करने में हुए खर्च संबंधी कटौतियां करके, इस निमित्त राज्य विधान मंडल द्वारा बनाई गई विधि द्वारा किये गये सम्यक विनियोजन के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र राज्य सरकार द्वारा बोर्ड को सौंप दी जायेगी।

4. (1) बोर्ड को सौंपी गई जुमनि की राशि का उपयोग :—राज्य सरकार द्वारा बोर्ड को सौंपी गई जुमनि की धनराशि केवल निम्नलिखित प्रयोजनों के लिये उपयोग में लाई जायेगी, अर्थात् :—

(1) पशु-श्रुता निवारण का कार्य करने वाली सोसाइटियों अथवा पशु-कल्याण कार्य में सक्रिय रूप से रुचि रखने वाले संगठनों को, जो फिलहाल बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हों, वित्तीय सहायता देना।

(2) रूग्णावासों, पिंजरापोलों तथा पशु-चिकित्सा अस्पतालों का रख-रखाव।

(2) एक राज्य में बसूल की गई तथा बोर्ड को सौंपी गई जुमनि की धनराशि उस राज्य की अधिकारिता के भीतर आने वाली ऐसी सोसाइटियों अथवा अन्य संगठनों के लाभ के लिये ही उपयोग में लाई जायेगी, न कि अन्यथा।

5. जुमनि की धनराशि के उपयोग को निम्नित करने वाले सिद्धांत किसी राज्य की सोसाइटियों या अन्य संगठनों के लाभ के लिये जुमनि की राशि का उपयोग करने में बोर्ड निम्नलिखित सिद्धांतों को सम्यक रूप से ध्यान में रखेगा अर्थात् :—

(1) वित्तीय सहायता पहले उन सोसाइटियों को दी जायेगी जो राज्य की अधिकारिता के भीतर पशु-श्रुता निवारण के कार्य में लगे हुई हैं और फिलहाल बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हैं ;

(2) ऐसी सोसाइटियों को वित्तीय सहायता मंजूर करते समय उन धनराशि को सम्यक रूप से ध्यान में रखा जायेगा जो ये सोसाइटियां इन नियमों के प्रवृत्त होने से पहले राज्य सरकार से प्राप्त कर रही थी। इनके साथ-साथ बोर्ड के पास रखी जुमनि की धनराशि, तथा सम्बन्धित सोसाइटियों के राजस्वों और उन उद्देश्यों, जिनके लिये सहायता दी जाती है, तथा अन्य सम्बन्धित मामलों को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिये भरपूर प्रयास करेगा कि ऐसी सोसाइटियों को जितनी धनराशि पहले मिलती रही है, वह कम न होने पाये।

(3) यदि इस नियम में पहले विनिर्दिष्ट सोसाइटियों को वित्तीय सहायता देने के बाद बिना खर्च की हुई कोई राशि बकाया रह जाती है तो बोर्ड, रूग्णावास पिंजरापोलों और पशु-चिकित्सा

अस्पतालों सहित, पशु कल्याण कार्य में सक्रिय रूप से रुचि रखने वाले किसी अन्य संगठन के लाभ हेतु उन धनराशि को स्व-विवेकानुसार इस्तेमाल कर सकता है।

[सं० 14-21/76-एन०डी०-1]

र०म० सुद, कृ० उप-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 28th October, 1977

S.O. 3606.—The following draft of certain rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Clause (k) of sub-section (2) of section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 (59 of 1960), in hereby published, as required by sub-section (1) of section 38 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rule will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title.—These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals (Application of Fines) Rules, 1977.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires ;

(a) 'Act' means the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 (59 of 1960)

(b) 'Board' means the Animals Welfare Board established under the Act ;

(c) 'fines' means fines levied under the Act.

3. Fines, after deducting cost of collection, to be made over to Board.—(1) Fines levied and realised under the Act shall, subject to any deductions relating to the cost of collection, be made over by the State Government to the Board as soon as may be after due appropriation by law (by State Legislature) in this behalf.

4. Application of fines made over to Board.—(1) Fines made over by any State Government to the Board shall be applied exclusively for the following purposes, namely :—

(i) the grant of financial assistance to societies dealing with the Prevention of Cruelty to Animals or organisations actively interested in animal welfare work which are for the time being recognised by the Board ;

(ii) the maintenance of infirmaries, pinjrapoles and veterinary hospitals.

(2) Fines realised in one State and made over to the Board shall be utilised only for the benefit of such societies or other organisations within the jurisdiction of that State and not otherwise.

5. Principles to govern application of fines.—In applying the fines for the benefit of societies or other organisations in any state, the Board shall have due regard to the following principles, namely :—

(i) financial assistance shall first be given to societies dealing with the prevention of cruelty to animals within the jurisdiction of the State which are for the time being recognised by the Board ;

SCHEDULE

(ii) in granting financial assistance to such societies, due regard shall be had to the amounts they had been receiving from the State Government prior to the coming into force of those rules, and consistently with the amount of fines at its disposal and having regard to the revenues of the societies concerned, the objects for which assistance is to be given and other relevant matters, the Board shall make every endeavour to ensure that there is no diminution in the amounts such societies had been receiving earlier;

(iii) if after the grant of financial assistance to the societies earlier referred to in this rule, there is any unspent balance, it may be applied by the Board at its discretion for the benefit of any other organisation actively interested in animal welfare work including infirmaries, pinjrapoles, and veterinary hospitals.

[No. 14-21/76-L. D. I]

R. S. SOOD, for Dy. Secy.

Piece of land measuring about 2535 sq. yds./2119.68 sq. metres stipulated in Diplomatic Enclave, Sardar Patel Marg, New Delhi bearing Plot No. 1 Site No. 42 partly of Notification No. S.O. 1810 dated 20-7-1974 U/s 22 of Sub-section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the plan L.D.O. 1833.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Road (Kautaliya Marg).

South : Plot No. 2.

East : Nallah.

West : Sardar Patel Road (Kitchen Road).

[No. S&S. 33(13)/77-ASO(I)/746]

KRISHNA PARTAP, Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1977

निर्माण और आवास मंत्रालय

(दिल्ली विकास प्राधिकरण)

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1977

का० आ० 3607.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास गैर-शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि स्टेट गैस्ट हाउस बनाने के लिये आवास सरकार को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

डिप्लोमेटिक एन्क्लेव, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० 1 साईट सं० 42 की अधिसूचना सं० ए० एम० आ० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार एल० डी० आ० प्लान सं० 1833 में दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 2535 वर्ग गज/2119.68 वर्ग मीटर भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपरोक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : सड़क (कोटिल्य मार्ग)

दक्षिण : प्लॉट नं० 2

पूर्व : नाला

पश्चिम : सरदार पटेल रोड (किचन रोड)

[सं० एम० एंड एम० 33(13)/77-एम० आ० (I)/746]

कुल्लु प्रसाद, सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Delhi Development Authority)

New Delhi, the 4th November, 1977

S.O. 3607.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India, New Delhi for further transfer to the Government of Assam for construction of State Guest House.

का० आ० 3608.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप-नियम (1) के साथ पठित नियम 8 के उप-नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद एन० डी० आ० निम्नलिखित व्यक्तियों की एक नवम्बर, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक उक्त बोर्ड के बम्बई सलाहकार पैनल का सदस्य फिर से नियुक्त किया है :—

1. श्री कमलेश्वर
2. श्री के० जी० अग्रवाल
3. श्री एम० एस० रेगे
4. प्रो० (श्रीमती) विजय राजाध्याय
5. श्री डी० जी० नागवर्णी
6. डा० (श्रीमती) चाचशीला बी० गुप्त
7. श्रीमती कमला तिलक
8. श्रीमती पद्मा के० देसाई
9. डा० (कुमारी) लक्ष्मण एस० सोनेजी
10. श्रीमती नविनी एम० सकयंकर
11. श्रीमती मणिषेन देसाई
12. श्रीमती टी० बी० देहेजिद्रा
13. श्रीमती लक्ष्मी वाही
14. श्री एम० डी० शाह
15. श्री एम० ई० हगनेन
16. श्री ललाक्षी शाह
17. श्री राजनारायण मिह
18. श्रीमती आर० एम० बोगा
19. श्री रमिक जे० शाह
20. श्रीमती मुणालिनी चौकसी
21. श्रीमती ललिता एन० बापत
22. श्रीमती एस० गुलरजाती
23. श्रीमती मालती गिलानी
24. श्रीमती आशा सेठ
25. श्रीमती ग्रन्थु अग्रवाल
26. श्री जो ए० अन्सारी
27. श्रीमती निम्मी कुमार

[सं० का० 11/3/76-एफ० सी०]

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3608.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and Sub-rule (3)

of Rule 8 read with Sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons after consultation with the Central Board of Film Censors, as members of the Advisory Panel of the said Board at Bombay with effect from 1st November, 1977 upto 31st December, 1977 :—

1. Shri Kamleshwar
2. Prof. K. G. Aggarwal
3. Shri S. S. Rege
4. Prof. (Smt.) Vijaya Rajadhyaksha
5. Shri D. G. Nadkarni
6. Dr. (Smt.) Charushchela B. Gupta
7. Smt. Kamala Tilak
8. Smt. Padma K. Desai
9. Dr. (Miss) Labuben S. Soneji
10. Smt. Nalini S. Sukthankar
11. Smt. Maniben Desai
12. Smt. T. V. Dchejia
13. Smt. Laxmi Wahi
14. Shri S. D. Shah
15. S. E. Hassnain
16. Shri Talakshi Shah
17. Shri Rajnarain Singh
18. Smt. R. S. Boga
19. Shri Rasik J. Shah
20. Smt. Mrinalini Choksl
21. Smt. Lalita N. Bapat
22. Smt. S. Gulrajanl
23. Smt. Malati Gilani
24. Smt. Asha Sheth
25. Smt. Manju Aggarwal
26. Shri Zoe Ansari
27. Smt. Nimmi Kumar

[F. No. 11/3/76-FC]

का० अ० 3609.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उपनियम (1) के साथ पठित नियम 8 के उपनियम (3) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को एक नवम्बर, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक उक्त बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल का सदस्य फिर से नियुक्त किया है :—

1. श्रीमती उमा सधानवीस
2. श्री सैलन मुकर्जी
3. श्रीमती अश्वु सईद अह्म
4. श्रीमती काजल सेनगुप्त
5. श्रीमती शैल्य दत्त
6. श्रीमती आशा पूर्वा देवी
7. श्री मुणील के० चक्रवर्ती
8. श्री आर० पी० गुप्त
9. श्री अनिल महपात्र
10. श्रीमती उषा खा
11. श्री रानेन अयन दत्त
12. श्रीमती जयश्री सेन
13. श्रीमती मीनाक्षी अम्

[का० सं० 11/3/76-एफ० सी०]

Advisory Panel of the said Board at Calcutta with effect from 1st November, 1977 to 31st December, 1977 :—

1. Smt. Uma Sabanabis
2. Shri Sailen Mookerji
3. Smt. Abu Sayeed Ayyub
4. Smt. Kajal Sen Gupta
5. Smt. Shaibya Dutt
6. Smt. Asha Purna Debi
7. Shri Sujit K. Chakrabarti
8. Shri R. P. Gupta
9. Shri Anant Mahapatra
10. Smt. Usha Khan
11. Shri Ranen Ayan Dutta
12. Smt. Minakshi Basu
13. Smt. Jayasree Sen

[F. No. 11/3/76-FC]

का० अ० 3610.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उपनियम (1) के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद, एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को एक नवम्बर, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक उक्त बोर्ड के सलाहकार पैनल का सदस्य फिर से नियुक्त किया है :—

1. श्री टी० नीलकण्ठ
2. श्रीमती सौदा कैलास
3. श्री मोहम्मद युसुफ कोंकण
4. श्री एम० गोविन्दन
5. श्रीमती सी० एल० मीनाक्षी दम्मा
6. श्री पी० बी० जलपेतप्रभ राव
7. श्री पी० के० रामलिंगम
8. श्री जी० बरदप्पा
9. श्रीमती आर० सुवर्ण
10. श्रीमती पी० बी० भागीरथी
11. श्रीमती वर्षा लोंबो
12. श्रीमती इन्दिरा डी० कोठारी
13. श्रीमती मालवी चेन्दुर
14. श्री सी० आर० शर्मा
15. श्रीमती राजी गंगचारी
16. श्रीमती पद्मिनी अच्युता सैनन
17. डा० एस० विजयलक्ष्मी
18. श्रीमती लीला पार्थसारथी
19. कुमारी पी० शान्ताबाई
20. श्रीमती एम० लीलावती
21. श्रीमती रोहिणी कृष्णाचन्द्र
22. डा० (कुमारी) सी० एम० लीलावती
23. श्रीमती हेमन्ता अत्रनेयु
24. श्रीमती मारा सैयद युसुफ
25. श्रीमती जी० नुवे
26. श्रीमती पद्मा सदानन्दम्

[का० सं० 11/3/76-एफ० सी०]

ए० बी० नारायणन्, उप सचिव

S.O. 3609.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of Rule 8 read with Sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons after consultation with the Central Board of Film Censors, as Members of the

S.O. 3610.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and Sub-rule (3) of Rule 8 read with Sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons, after consultation with the Central Board of Film Censors, as Members of

the Advisory Panel of the said Board at Madras with effect from 1st November, 1977 upto 31st December, 1977 :—

1. Shri T. Neelakanthan
2. Smt. Soundra Kailasam
3. Shri Mohd. Yousuf Kokan
4. Shri M. Govindan
5. Smt. C. L. Meenakshi Amma
6. Shri P. V. Chulapatheswara Rao
7. Shri P. K. Ramalingam
8. Shri G. Vardappa
9. Smt. R. Suvarna
10. Smt. P. V. Bhagirathi
11. Smt. Bertha Lobo
12. Smt. Indira D. Kothari
13. Smt. Malati Chandur
14. Shri C. R. Sharma
15. Shri Raji Rangachari
16. Smt. Padmini Achutha Menon
17. Dr. S. Vijayalakshmi
18. Smt. Leela Parthasarathi
19. Kumari P. Shahta Bai
20. Smt. M. Leelavathi
21. Smt. Rohini Krishnachandra
22. Dr. (Miss) C. M. Leelavathi
23. Smt. Hemlata Anjaneyulu
24. Smt. Sara Syed Yusuf
25. Smt. G. Dubey
26. Smt. Padma Sadanandam

[F. No. 11/3/76-FC]

A. V. NARAYANAN, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1977

का० आ० 3611:—स्वायं प्रादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महाविदेशक ने दोहड़ टेलीफोन केन्द्र गुजरात मंडल में दिनांक 1-12-77 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-5/77-सी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T BOARD)

New Delhi, the 14th November, 1977

S.O. 3611.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-12-1977 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Dohad Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-5/77-PHB.]

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1977

का० आ० 3612:—स्वायं प्रादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक तार महाविदेशक ने कोडापुर

टेलीफोन केन्द्र कर्नाटक मंडल में दिनांक 1-12-77 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6-77-सी० एच० बी०]

जमवन्त राय दगिष्ट, महायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

New Delhi, the 16th November, 1977

S.O. 3612.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-12-1977 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Coondapoor Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-6/77PHB.]

J. R. VASHIST, Assistant Director General (PHB)

पूति और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1977

का० आ० 3613:—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निदेश देती है कि उसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 24 और धारा 33 की उपधारा (4) के अधीन प्रयोग की जाने वाली शक्तियाँ पुनर्वासि विभाग के उप सचिव श्री ज० चक्रवर्ती द्वारा भी प्रयोग की जायेंगी।

[सं० 6(21)/77-एम० एम०-1]

एच० के० टेकचन्दानी, अवसर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 1st November, 1977

S.O. 3613.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under Sub-section (4) of Section 24 and Section 33 of the said Act shall be exercisable also by Shri J. Chakrabarty, Deputy Secretary in the Department of Rehabilitation.

[No. 6(21)/77-SS. I]

H. K. TECKCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1977

का० आ० 3614:—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की देखरेख) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिनियम संख्या का० 32/20/65-ए० सी० सी०-II, तारीख 13 जनवरी, 1966 को अधिकार करने हुए, निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो कि उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

क्रम सं०	अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाये
1	2	3
1.	ज्येष्ठ कार्यपालक अधिकारी (क)	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और कोरापुट पुलिस स्टेशन तथा कोरापुट जिले में सिमलीगुडा और सुतावेदा पुलिस स्टेशनों की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।
2.	क्षेत्रीय प्रशासक मलकानगिरी	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और कोरापुट जिले में मलकानगिरी, बोईपारीगुडा, मैथिली, गोविन्दपल्ली, बिन्नकोण्डा, वेंकटपालम, मुवलीपाड़ा और मोटु पुलिस स्टेशनों की अधिकारिता के भीतर सभी सरकारी स्थान।
3.	क्षेत्रीय प्रशासक, उमरकोट	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और कोरापुट जिले में उमरकोट, रायगढ़, दबुगांव और झरीगांव पुलिस स्टेशनों की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।
4.	कार्यपालक इंजीनियर (सी०) केन्द्रीय प्रभाग, कोंडागांव	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और बस्तर जिले में कोंडागांव पुलिस स्टेशन की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।
5.	कार्यपालक इंजीनियर, जगदलपुर	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और बस्तर जिले में बोरेगांव, गुगानी, फारसगांव, मानपुरी, केशकल और कंकर पुलिस स्टेशनों और रायपुर जिले में जरमा, माना और धमतरी पुलिस स्टेशनों की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।
6.	क्षेत्रीय प्रशासक, परालकोट	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और बस्तर जिले में भानुप्रतापपुर, नारायणपुर कापसी और पखानजोर पुलिस स्टेशनों की अधिकारिता के भीतर सभी सरकारी स्थान।
7.	निदेशक (टी० एंड एम) भम्बागुडा	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और कोरापुट जिले में जौपुर पुलिस स्टेशन, बोरिंगुम्मा, कोटपाड़ा पुलिस स्टेशनों और भम्बागुडा की सीमावर्ती की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।
8.	अधीक्षण इंजीनियर (सी)	वण्डकारण्य विकास प्राधिकारी के नियंत्रणाधीन और बस्तर जिले में जगदलपुर पुलिस स्टेशन की अधिकारिता के भीतर स्थित सभी सरकारी स्थान।

[सं० 14(9)/77-डी० एन० के०]

शान्ति लाल, उप सचिव

New Delhi, 3rd November, 1977

Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. F. 32/20/65-Acc. II dated the 13th January, 1966, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Table below, being gazetted officers of Government, to be estate officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table.

TABLE

Serial No.	Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)	(3)
1.	Senior Executive Officer(A)	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Koraput Police Station and Simliguda and Sonabeda Police Stations in Koraput district.
2.	Zonal Administrator, Malkangiri.	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Malkangiri, Bolpariguda, Mathili, Govindapalli Chitrakonda, Venkattapalam, Mudlipada and Motu Police Stations in Koraput district.
3.	Zonal Administrator, Umerkote.	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Umerhote, Raighar, Dabugaon and Jharigam Police Stations in Koraput district.
4.	Executive Engineer (C) Central Division, Kondagaon.	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Kondagaon Police Station in Bastar district.
5.	Zonal Administrator, Jagdalpur	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Boregaon, Jugani, Pharasgaon, Bhanpuri, Keskall and Kanker Police Stations in Bastar district and Charama, Mana and Dhamtari Police Stations in Raipur district.
6.	Zonal Administrator, Paralkote.	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Bhanupratappur, Narainpur, Kapsi and Pakhanjore Police Stations in Bastar district.

1	2	3
7. Director (T & M), Ambaguda.	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Jeypore Police Station, Borigumma, Kotpad Police Stations and Outpost of Ambaguda in Koraput district.	
8. Superintending Engineer (C).	All public premises under the control of Dandakaranya Development Authority and situated within the jurisdiction of Jagdalpur Police Station in Bastar district.	

[No. 14(9)/77-DNK]

SHANTI LAL, Dy. Secy.

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1977

का०आ० 3615.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भैरवी मुद्रण, 8, कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं०एम०-35017(57)/77-पी०एफ०-2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 4th November, 1977

S.O. 3615.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Bharabi Mudran, 8, Kailash Bose Street Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35017/57/77-PF. II]

का०आ० 3616.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सबीन डिजाइनर्स एण्ड कन्स्ट्रक्टर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 401/1, ब्लॉक जी०, न्यू ब्रलीपुर, कलकत्ता-53 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं०एम०-35017(67)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 3616.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nabin Designers and Contractors Private Limited, 401/1, Block 'G' New Alipore, Calcutta-53, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S. 35017/67/77-PF. II(i)]

का०आ० 3617.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1975 से मैसर्स नवीन डिजाइनर्स एण्ड कन्स्ट्रक्टर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 401/1, ब्लॉक जी०, न्यू ब्रलीपुर, कलकत्ता-53 नामक स्थापन को उक्त अधिनियम के नियम विनिर्दिष्ट करती है।

[सं०एम०-35017(67)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3617.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1975 the establishment known as Messrs. Nabin Designers and Contractors (Private) Limited, 40/1, Block 'G' New Alipore, Calcutta-53, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/67/77-PF. II(ii)]

का०आ० 3618.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ग्रोवेल एग्रो, ट्रेडर्स, देवग गांव रोड, जालना जिला औरंगाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये,

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं०एम०-35018(35)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 3618.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Growel Agro Traders, Devalgaon Road, Jalna, District Aurangabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35018 (35) /77-PF. II(i)]

कां० 3619.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1974 से मैसेस ग्रोवेल एग्रो ट्रेडर्स, देवल गांव रोड, जालना जिला, औरंगाबाद, नाम स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35018(35)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3619.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1974 the establishment known as Messrs. Growel Agro Traders, Devalgaon Road, Jalna, District Aurangabad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018 (35)/77-PF. II(ii)]

कां० 3620.—यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस अलाना कोल्ड स्टोरेज (प्राइवेट) लिमिटेड, अलाना बिल्डिंग, 424, मौलाना आजाद रोड, पोस्ट बाक्स नं० 3646, मुम्बई-4 जिसमें प्लॉट सं० डी-38, ट्रान्स थाना क्रिक एम०आई०डी०सी० इन्डस्ट्रियल एरिया, थाना एरिया, थाना बेलपुर रोड, थाना स्थित उसका कारखाना भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35018(60)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 3620.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Allana Cold Storage (Private) Limited, Allana Building, 424, Maulana Azad Road, Post Box No. 3646, Bombay 4 including its Factory at Plot No. D-38, Trans Thana Creek M.I.D.C. Industrial Area, Thana Belpur Road, Thana, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35018(60)/77-PF. II (i)]

कां० 3621.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1975 से मैसेस अलाना कोल्ड स्टोरेज (प्राइवेट) लिमिटेड, अलाना बिल्डिंग, 424, मौलाना आजाद रोड, पोस्ट बाक्स नं० 3646, मुम्बई-4 जिसमें प्लॉट सं० डी-38, ट्रान्स थाना क्रिक एम०आई०डी०सी० इन्डस्ट्रियल एरिया, थाना बेलपुर रोड, थाना स्थित उसका कारखाना भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35018(60)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3621.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1975 the establishment known as Messrs. Allana Cold Storage (Private) Limited, Allana Buildings, 424, Maulana Azad Road, Post Box No. 3646, Bombay-4 including its Factory at Plot No. D-38, Trans Thana Creek M. I. D. C. Industrial Area, Thana Belapur Road, Thana, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018 (60)/77-PF. II (ii)]

कां० 3622.—यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस देवा फर्टीलाइजर्स एण्ड फीड्स लिमिटेड, यूकैरिस्टिक कांग्रेस बिल्डिंग सं० 3, चौथी मंजिल, कान्ठेट स्ट्रीट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35018(80)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3622.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Dewa Fertilisers and Feeds Limited, Eucharistic Congress Building No. 3, 3rd Floor, Convent Street, Bimaby-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35018/80/77-PF. II]

शुद्धि-पत्र

कां० 3623.—भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 21 फरवरी, 1976 के पृष्ठ 1059 पर प्रकाशित, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां० 840 तारीख 29 जनवरी, 1976 को चौथी लाइन में "मैसर्स महाराजा सवाई मानसिंह II, म्यूजियम ट्रस्ट," के स्थान पर,

"महाराजा सवाई मानसिंह II म्यूजियम ट्रस्ट" पढ़ें।

[सं० एस-35019(201)/75-पी०एफ०-2(i)]

CORRIGENDA

S.O. 3623.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 840 dated the 29th January, 1976, published at page 1059 of the Gazette of India, Part II Section 3, sub-section (ii) dated the 21st February, 1976, in lines 3 and 4 for "Messrs Maharaja Sawai Man Singh II Museum Trust" read "Maharaja Sawai Man Singh II Museum Trust"

[No. S. 35019/201/75-PF. II/Pt. (i)]

कां० 3624.—भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 21 फरवरी, 1976 के पृष्ठ 1059 पर प्रकाशित, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां० 839, तारीख 29 जनवरी, 1976, की पहली और दूसरी लाइन में "मैसर्स महाराजा सवाई मानसिंह II, म्यूजियम ट्रस्ट" के स्थान पर,

"महाराजा सवाई मानसिंह II म्यूजियम ट्रस्ट" पढ़ें।

[सं० एस-35019(201)/75-पी०एफ०-2(ii)]

CORRIGENDUM

S.O. 3624.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 840 dated the 29th January, 1976, published at page 1059 of the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (ii), dated the 21st February, 1976, in line 7. for "Messrs Maharaja Sawai Man Singh II Museum Trust", read, "Maharaja Sawai Man Singh II, Museum Trust."

[No. S. 35019(201)/75-PF. II Pt. (ii)]

कांआ० 3625.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैसर्स कन्डक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, 9वां माइल स्टोन, ओल्ड मद्रास रोड, विगानगर, डाकघर, बंगलौर-49 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(320)/77-पी०एफ-2]

S.O. 3625.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mysore Conductors Private Limited, 9th Mile Stone, Old Madras Road, Virgonagar, P. O. Bangalore-49, have agreed that the provisions Act, 1952 [19 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provision Act, 1952 (19 of 1952)], should be made application to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provision of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1977.

[No. S-35019/320/77-PF. II]

कांआ० 3626.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पापुलर एस्टेट्स, मरुडोथ, डाकघर चुल्ली विवम० कन्नड़, गंसाथ ग्राम, होसदुर्ग तालुक, कन्नानूर जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(343)/77-पी०एफ-2]

S.O. 3626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Popular Estates, Marud-oth, Post Office Chully via Kanhangad, Malodh Village, Hosdurg Taluk, Cannanore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35019/343/77-PF. II]

कांआ० 3627.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री दुर्गा मल्लेश्वर टेक्सटाइल्स, एलुरु (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(345)/77-पी०एफ-2]

S.O. 3627.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Shri Durga Mallewara Textiles, Flura (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976.

[No. S. 35019/345/77-P.F. II]

कांआ० 3628.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मीनी प्रेसिजन प्राडक्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, बी०-59 पी०आई० एस्टेट, तुमकुर रोड, पीन्या बंगलौर-40 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(353)/77 पी०एफ-2(i)]

S.O. 3628.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maini Precision Products (Private) Limited, B-59, P. I. Estate, Tumkur Road, Peenya, Bangalore-40 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35019/353/77-PF. II (i)]

कांआ० 3629.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई 1977 से मैसर्स मीनी प्रेसिजन

प्राइवेट (प्राइवेट) लिमिटेड, बी-59, पी० आई० एस्टेट, कुमकुम रोड, पीन्या, बंगलूर-40 नाम स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एम० 35019(353)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3629.—In exercise of the Powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1977, the establishment known as Messrs Maini Precision Products (Private) Limited, B-59, P. I. Estate, Tumkur Road, Peenya, Bangalore-40, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/353/77-PF. II (ii)]

का०आ० 3630.—यतः केन्द्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि मेसर्स मनकाविलाई को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चरल बैंक लिमिटेड, यार्ड-25 मानालिकराए कन्याकुमारी जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(354)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 3630.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manakavilai Co-operative Agricultural Bank Limited, Y-25, Manalikalai, Kanyakumari District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1976.

[No. S. 35019(354)/77-PF. II(i)]

का०आ० 3631.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 जून, 1976 से मेसर्स मनकाविलाई को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चरल बैंक लिमिटेड, यार्ड-25 मानालिकराए, कन्याकुमारी जिला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एम० 35019(354)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3631.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1976, the establishment known as Messrs Manakavilai Co-operative Agricultural Bank Limited, Y-25, Manalikalai Kanyakumari District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(354)/77-PF. II(ii)]

का०आ० 3632.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स वासुदेव विलास, मुख्य सड़क, चिराला, जिला प्रकासन, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(355)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3632.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vasudeva Vikas, Main Road, Chirala, Prakasam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35019(355)/77-PF. II]

का० आ० 3633.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स ऑटोफ्लेक्स (प्राइवेट) लिमिटेड सी-2, औद्योगिक क्षेत्र, तालकटोरा रोड, लखनऊ-5 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(356)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Auto Flex (Private) Limited, C-2, Industrial Estate, Talkatora Road, Lucknow-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019(356)/77-PF. II]

का० आ० 3634.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एडक्कड और व्यवसाय सहकार्य सङ्घ लिमिटेड सं० सी० 20(डी) थोलाडा, ग्राम थोलाडा तालुक कन्नारूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(358)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3634.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Edakkad Ksheera Vyavasaya Sahakarya, Sanghom Limited No. C. 20(D) Thottada, Thottada village, Cannanore Taluk, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35019(358)/77-PF. II]

का० आ० 3635.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री लक्ष्मी ग्राउन्डनट आयल मिल, राजम, जिला-श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा (1) की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019(359)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3635.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Lakshmi Ground Nut Oil Mill, Rajam, District Srikakulam (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(359)/77-PF. II]

का० आ० 3636.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स भारत रबर एण्ड रबर प्रोडक्ट्स, बोवारा रोड, विशाखापत्तनम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(360)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3636.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Rubber and Rubber Products, Bowdara Road, Visakhapatnam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S. 35019(360)/77-PF. II]

का० आ० 3637.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स राजू सेन्स कार्पोरेशन, 4-1-690 महाभूपाल मंजिल, विक्रान्ति सिनेमा कंपाउण्ड, जाम बाग, हैदराबाद-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(361)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3637.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raju Sales Corporation, 4-1-690, Mahabhoopal Mangil, Vikranti Cinema Compound, Jambagh, Hyderabad-I, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(361)/77-PF. II]

का० आ० 3638.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स जिकस इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड, कार्यालय 3-E-382/ए, रोड, नं० 2, त्रिपायन नगर, हैदराबाद-29 जिसमें औद्योगिक विकास क्षेत्र नाचराम, हैदराबाद-39 स्थित इसका कारखाना भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम० 35019(362)/77-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 3638.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Liquors India (Private) Limited, Office: 3-6-382/A, Road No. 2, Himayat Nagar, Hyderabad-29, including its factory at Industrial Development Area, Nacharam, Hyderabad-39, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(362)/77-PF. II(i)]

का०आ० 3639.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1976 से मेसर्स लिक्वर्स इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड, कार्यालय: 3-6-382/ए, रोड सं० 2 हिमायत नगर, हैदराबाद-29 जिसमें औद्योगिक विकास क्षेत्र, नाचराम, हैदराबाद-39 स्थित इसका कारखाना भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(362)/77-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3639.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1976 the establishment known as Messrs. Liquors India (Private) Limited, Office : 3-6-382/A, Road No. 2, Himayat Nagar, Hyderabad-29, including its factory at Industrial Development Area, Nacharam, Hyderabad-39, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(362)/77-PF. II(ii)]

का० आ० 3640.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स बालिगा लाइटिंग कम्पनी, ए-10, औद्योगिक एस्टेट, पीन्या, बंगलूर-40 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम० 35019(364)/77-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 3640.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees

in relation to the establishment known as Messrs Baliga Lighting Company, A-10, Industrial Estate, Peenya, Bangalore-40, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1977.

[No. S. 35019(364)/77-PF. II(i)]

का०आ० 3641.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अगस्त, 1977 से मेसर्स बालिगा लाइटिंग कम्पनी ए-10, औद्योगिक एस्टेट, पीन्या, बंगलूर-40 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(364)/77-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 3641.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1977 the establishment known as Messrs Baliga Lighting Company, A-10, Industrial Estate, Peenya, Bangalore-40, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(364)/77-PF. II(ii)]

का०आ० 3642.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स शार्दा पेपर कन्वर्शन इन्डस्ट्रीज, हुसैनबाद, बाउन्सी मार्ग, भागलपुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ?

[सं० एम० 35019(367)/77-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3642.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sharda Paper Conversion Industries, Hussainabad Bounsi Road, Bhagalpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1976.

[No. S-35019(367)/77-PF. II(i)]

का०आ० 3643.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1976 से मेसर्स शार्दा पेपर कन्वर्शन इन्डस्ट्रीज, हुसैनबाद, बाउन्सी मार्ग, भागलपुर, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(367)/77-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 3643.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1976, the establishment known as Messrs Sharda Paper Conversion Industries, Hussainabad Bouns Road, Bhagalpur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/(367)/77-PF. II(ii)]

कां०आ० 3644—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स युजमनस पिक्चर पैलेस, पी०पी० कम्पाउण्ड, मूरक सागं, रांची नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(369)/77-पी०एफ०-II]

S.O. 3644.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sujata Picture Palace, P.P. Compound, Main Road, Ranchi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

* This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019/(369)/77-PF. II]

कां०आ० 3645—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पीटर आयल इजिन्स, सिन्हा लाइब्रेरी रोड, पटना जिसमें एक्जीबीशन रोड, पटना स्थित उसका कार्यालय भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(373)/77-पी०एफ०-II]

S.O. 3645.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Petter Oil Engines, Sinha Library Road, Patna including its Office at Exhibition Road, Patna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019(373)/77-PF. II]

कां०आ० 3646—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जे०जे० ट्रेडर्स, बाउन्सी रोड, भगलपुर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(374)/77-पी०एफ०-II]

S.O. 3646.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. J. Traders, Bouns Road, Bhagalpur-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S. 35019(374)/77-PF. II]

कां०आ० 3647—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कार वाल्व लिमिटेड, प्लॉट सं० 26, पीन्या औद्योगिक क्षेत्र, फेस 1, पीन्या, बंगलूर-40 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(375)/77-पी०एफ०-II]

S.O. 3647.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kar Valves Limited, Plot No. 26, Peenya Industrial Area, Phase-I, Peenya, Bangalore-40, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S-35019(375)/77-PF. II]

कां०आ० 3648—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केडिया इन्डस्ट्रीज, 19-5-16/3, भादुरपुरा, हैदराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(376)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3648.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kediya Industries, 19-5-16/3, Bhadurpura, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019/(367)/77-PF.II]

का०आ० 3649 —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सराफ मोर ब्रदर्स, श्रीमाम नगर, श्रीकाकुलम जिला नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(372)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3649.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saraf Mor Brothers, Shreeram Nagar, Srikakulam district, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(378)/77-PF.II]

का०आ० 3650.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डिया होजरी वर्क्स, इन्डस्ट्रियल एरिया जलन्धर नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(380)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 3650.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Hosiery Works, Industrial Area, Jullundur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S-35019/(380)/77-PF. II]

का०आ० 3651.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मन्नार सप्लाय एसोसिएशन लिमिटेड, मन्नार पोस्ट आफिस, मन्नार ग्राम, डेविकुलम तालुक, इडिककी जिला नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019/(381)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3651.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mannar Supply Association Limited, Mannar Post Office, Mannar Village, Devicolum Taluk, Idikki district, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of July, 1977.

[No. S-35019/(381)/77-PF. II(i)]

का०आ० 3652.—यतः केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 जुलाई, 1977 में मैसर्स मन्नार सप्लाय एसोसिएशन लिमिटेड, मन्नार पोस्ट आफिस, मन्नार ग्राम, डेविकुलम तालुक, इडिककी जिला, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम०-35019/(381)/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3652.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of July, 1977, the establishment known as Messrs. Mannar Supply Association Limited, Mannar Post Office, Mannar Village, Devicolum Taluk, Idikki district, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(381)/77-PF.II-(ii)]

का० आ० 3653.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री निवास माइका ट्रेडिंग कम्पनी, मालविया नगर, गुन्तूर 524102, नेल्लोर जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।
[सं० एस-35019(382)/77-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 3653.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sreenivasa Mica Trading Company, Malavya Nagar, Guntur-524102, Nellore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S-35019(382)/77-P.F.II-(i)]

का० आ० 3654.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 अक्टूबर 1976 से मैसर्स श्री निवास माइका ट्रेडिंग कम्पनी, मालविया नगर, गुन्तूर-524102 नेल्लोर जिला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एस-35019(382)/77-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 3654.—In exercise of the powers, conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1976 the establishment known as Messrs. Sreenivasa Mica Trading Company, Malavya Nagar, Guntur-524102, Nellore District, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(382)/77-P.F.II-(ii)]

का० आ० 3655.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० के० पी० एण्ड कम्पनी, काटन गिनिंग मिल्स, 272 से 274/30 तक, बोगुलामल नन्दयल, धार० एस० नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(383)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 3655.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S.K.P. and Company, Cotton Ginning Mills, 272 to 274/30, Bogguline, Nandyal, R. S. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S-35019(383)/77-P.F.II]

का० आ० 3656.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मानिकयम् स्पिडिल टेप वर्क्स, पालाकोल, पश्चिम गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(384)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 3656.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manikyam Spindle Tape Works, Palakol, West Godavari District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S-35019/384/77-P.F.II]

का० आ० 3657.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भक्थिमाला बीडी कारखाना, 61 वेशलामा स्ट्रीट, तिरुपति, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(385)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 3657.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Bhakthimala Beedi Factory, 61, Veshalamma Street, Tirupati, have agreed that

the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1974.

[No. S-35019/385/77-P.F.II]

का० आ० 3658.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वर्क्स इंजीनियरिंग वर्क्स, लालपेटा गुन्तूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(386)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 3658.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Workers Engineering Works, Lalapeta, Guntoor, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S-35019/386/77-P.F.II]

का० आ० 3659.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लाइट हाउस लुंघी कंपनी, 29 आर्मेनियन स्ट्रीट, मद्रास-1 जिसमें (1) सं० 57, लोअर चेतपुर रोड, कलकत्ता-73, और (2) सं० 92/7 पेच बाग, कानपुर-1 स्थित उसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(387)/77-पी० एफ०-2]

एस० एस० महसनामान, उप सचिव

S.O. 3659.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Light House Lunghi Company, 29, Armenian Street, Madras-1, including its branches at (1) No. 57, Lower Chetpur Road, Calcutta-73, and (2) No. 92/7, Pech Baugh, Kanpur-1, have agreed that the

provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S-35019/387/77-P.F.II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1977

का० आ० 3660.—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे बनाने का केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रस्ताव करती है, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके मामले प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि पर या उसके पञ्चाशत् विचार किया जाएगा।

दो मास की उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप की वास्तविकी किसी व्यक्ति से यदि कोई आशेष या सुझाव प्राप्त होते हैं तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

अधिसूचना का प्रारूप

केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता है कि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (3) के उपबन्ध, जहां तक उनका संबंध मजदूरी स्विचों के जारी करने से है, सैनिक इंजीनियरी सेवा और सैनिक कार्यों के कर्मचारियों को, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित काल बेलन मान पर हैं और जो किसी अनुसूचित नियोजन में नियोजित हैं, लागू नहीं होंगे।

[सं० एस०-32014/(6)/77-व्यवृत्ती (एम डब्ल्यू)]

टी० एस० शंकरन, अपर सचिव

New Delhi, the 5th November, 1977

S.O. 3660.—The following draft of a notification, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of said draft before the expiry of the said period of two months will be considered by the Central Government.

DRAFT NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby directs that, for a period of five years from the date of publication of this notification, the provisions of sub-section (3) of section 18 of the said act, in so far as it relates to the issue of the wages slips shall not apply to the employees of the MES and the Military Farms, who are on time scales of pay approved by the Central Government and are employed in any Scheduled employment.

[No. S-32014(6)/77-WC(MW)]

T. S. SANKARAN, Additional Secy.

New Delhi, the 2nd November, 1977

S.O. 3661.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (Madhya Pradesh) in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pathakhhera Colliery of Western Coalfields Limited, Pathakhhera and their workmen, which was received by the Central Government on the 31st October, 1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)**

Case No. CGIT/LC(R)(6)/1977

Employers in relation to the management of Patherkhhera Colliery of Western Coalfields Limited, Patherkhhera (M.P.) and their workmen represented through the S. K. Mazdoor Sangh (AITUC), P.O. Patherkhhera, District Betul (M.P.).

APPEARANCES :

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

For Workmen—Shri P. K. Thakur, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mine **DISTRICT :** Betul (M.P.)

Dated : October 24, 1977

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. I-22012(36)/76, D.III(B)/D.IV(B) dated 20-4-1977 for the adjudication of the following industrial dispute :—

“Whether action of the management of Patherkhhera Colliery of Western Coalfields Limited, Patherkhhera in terminating the services of Sarva Shri Mahavir Pandit, Shiv Kumar, Krishna, Khushal and Chunchunja is justified ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?”

2. It is not disputed that the workmen Nos. (1) to (4) above, who are not the residents of Madhya Pradesh, were temporarily appointed at the respective serial nos. 16, 15, 17 and 1, by the order of Sub-Area Manager No. PK/00/12979 dated 11/12th December 1974 (Annexure M/1 to the written statement of the management) with effect from 12-12-1974 to 11-1-1975, as substitute underground loaders purely on temporary basis. Chunchunja workman No. 5 was also appointed subsequently by a separate order but on the same terms. The appointment orders contain the terms that the services of these appointees could be terminated at any time prior to 11-1-1975 without notice, without payment of compensation and without showing any reason for such termination. The management had thus retained the blanket power of termination itself which could validly operate on any day prior to 11-1-1975. However, these persons continued to serve even beyond the stipulated date mentioned above and the termination order was passed by the Colliery Manager vide his order No. PK/CM/APP/Termination/W/1334 dated 31st July 1974. The termination was to be effective on and from 1st August 1975. By that time :

1. Mahavir Pandit had put in continuous service of	
	158 days
2. Shiv Kumar Prasad	-do- 138 days
3. Krishna	-do- 59 days
4. Khushal	-do- 39 days
5. Chunchunja	-do- 32 days

The first four received quarterly bonus and the first two had each opened Provident Fund account with the management. All of them had completed their vocational training. No notice of termination was given nor any compensation was paid to them when their services were so terminated. They were not declared surplus. Soon after their appointment the Selection Committee made selection for the post of loaders in which these workmen were not selected.

3. Union's case is that these workmen were victimised because they belonged to Sanyukta Khadan Mazdoor Sangh Union and further because they were not the bonafide resi-

dents of Madhya Pradesh. In fact they had acquired the status of permanent employees and the manner in which their services were terminated was not at all justified by the provisions of the Standing Orders. The order of termination was not passed by the competent authority and therefore the Union has sought relief of reinstatement.

4. The management has raised usual legal and technical objections of want of representative capacity of the Union, absence of resolution to sponsor the cases of these workmen and absence of industrial dispute because no such dispute was ever raised with the management. On facts it is alleged that these workmen were appointed on the jobs of temporary nature and their service came to an end by efflux of time and also because the job was finished and no extension was granted after 1-8-1975. As per terms of the contract of service the workmen were not entitled to any notice or compensation and they could not assume the character of permanent employees specially because it is necessary that a permanent employee should be selected by the Selection Committee.

5. Whereas the management has not pressed the objection against the representative capacity of the Union or want of resolution etc., the plea against the validity of the reference, because no dispute was raised with the management, has no force. The Union had taken up the matter with the management vide Ex. W/5 dated 2-9-1975. Ex. W/6 also tells the same story because through that memo the question of reemploying these terminated workmen instead of resorting to fresh recruitment was raised by the Union.

6. Moreover admittedly the Union had taken up the matter with the Asstt. Labour Commissioner. The management participated in the discussion and though the A.L.C. put a specific question to the management as to whether or not the Union did first raise the dispute with the management, it maintained a scrupulous silence on the point and raised no such objection there. The management did participate in discussion and is now estopped from raising such a plea before this Tribunal.

7. The pleading that there was no industrial dispute because the Union had conceded before the A.L.C. that these workmen had no case, has no appeal because it is obvious that the A.L.C. submitted a failure report Ex. W/2, the contents of which are inconsistent with such a plea and falsify it. Had the Union conceded before the A.L.C., the failure report or the reference could not have seen the light of the day; the preliminary objections are thus ruled out.

8. The service of these workmen continued even beyond the stipulated date of 11-1-1975. No extension order has been filed. It is, therefore, idle to argue that from time to time their service was extended till the last extension and on 31-7-1975 beyond which further extension was not granted and so the service came to an end by mere efflux of time. On the contrary the workmen have filed the termination order Ex. W/9 dated 31-7-1975 referred to above. If the service was terminated merely because of efflux of time for want of further extension, there was no need to pass such a termination order and in any case the fact of termination by efflux of time would have definitely come to be mentioned in the order. The absence of any order in that form does give rise to a presumption that the service did not come to an end by mere efflux of time or for want of order of extension but because it was terminated by a specific order. Under the circumstances management's plea that the service came to an end by efflux of time can hardly be sustained.

9. The appointment order dated 11/12th December, 1974 was signed and issued by the Sub-Area Manager. It incorporates the names of first four of the present five workmen. The service of first three of them was terminated by Shri D. K. Roy, Colliery Manager, vide his order Ex. W/9 dated 31-7-1975. It is not disputed that the Colliery Manager is subordinate and inferior in rank to the Sub-Area Manager. It is the settled position of law that if the termination order is passed by an authority inferior in rank to the appointing authority the order is void being without jurisdiction because an officer inferior in rank cannot supersede the orders of appointment passed by a superior officer. This is general and common sense principle of law which, as the basic concept of the hierarchy in the services, has found its way in the Article 311(1) of the Constitution of India. On this ground alone the order of termination of the services of Sarva Shri Mahavir Pandit, Shiv Kumar Prasad and Krishna was void and without jurisdiction.

10. Its validity is again adversely affected by the fact that even the competent authority could have passed such an order only after giving two weeks notice under the first proviso to Sub-clause (b) of Clause 13 of the Standing Orders as these first three temporary workmen had admittedly completed more than three months' continuous service. The order was thus passed in flagrant breach of the aforesaid provisions of Clause 13 of the Standing Orders. Right to terminate service without notice or compensation reserved by the employer in the appointment order came to an end on 11-1-75 as per terms of the order itself and subsequent continuance in service will, in the absence of extension orders, be deemed to be by sufferance and would be governed by the terms of the Standing orders.

11. The termination is further bad because the first two workmen namely, Mahavir Pandit and Shiv Kumar Prasad had admittedly put in more than six months continuous service and as per definition given in Clause 3(b) of the Standing Orders, they acquired the status of permanent workmen. Their services could not be axed down so abruptly without following the proper procedure.

12. It is argued that these workmen were appointed on a temporary job of stone drifting. When that work was finished they could not be continued in service and that is why no extension was granted to them. This argument is contrary to the admitted pleadings. In para 3 of the Union's written statement it was specifically pleaded that all these workmen were doing the job of loading the coal tubs underground. The appointment orders also mention specifically that they were appointed as substitute loaders. Loader is a technical term and the job description of this designation is amply clear. It does not include stone drifting. This pleading of para 3 of the written statement was not denied by the management in the rejoinder. On the other hand, it was admitted that the workmen were employed as loaders. There is no allegation in the written statement or rejoinders filed by the management that loader's job was of a temporary nature, and no loading work was required to be done after 1-8-1975. On the other hand, it is not disputed that even after termination of service of these workmen fresh loaders were recruited by the management. Under these circumstances it does not lie in the mouth of the management to argue that these workmen were appointed as stone drifters which was a job of temporary nature and because the work of stone drifting came to an end so they could not be kept in service any longer. It is rather pitiable that the management should be so inconsistent in putting forward their case.

13. It appears from the pleadings, arguments and statements made at the bar that these workmen were not selected by the Selection Committee only because they were not the residents of Madhya Pradesh even though the management had spent on giving them vocational training and even though they had become entitled to quarterly bonus and two of them were allowed to open their Provident Fund accounts. It appears that the management wanted to retain these people but for the rod of the Selection Committee which perhaps refused to select them only because they were not the residents of Madhya Pradesh. No such discrimination can be made only on the ground of place of birth or residence as it offends the fundamental rights guaranteed under Article 16 of the Constitution of India. Adopting various devices or following un-constitutional conventions, through employment exchange or otherwise, by keeping a representative of the State Government in the panel of the Selection Committee in the name of checking local unrest, cannot but be deprecated as sordid attempt to circumvent not only the letter but even the spirit of the Constitution. Such a move militates against national integration, and encourages provincialism reverberating regional feelings or fissiparous tendencies. If the concerned authorities feel that preference should be given to the local people they can get the rights of the local people secured in this respect by a proper legislative sanction as contemplated in Article 16 of the Constitution but without following that straight path it is unbecoming of a public sector organisation to try to circumvent the constitutional guarantee of equal opportunity of employment irrespective of the place of birth or residence. The termination of the services of the last two workmen cannot but be said to be unjustified on this account.

14. It is, therefore, held that the action of the management of Patherkhera Colliery in terminating the services of these five workmen was not justified. As the termination of the

services of first three workmen was void and in breach of their rights they are entitled to reinstatement with back wages. The termination of the last two workmen was, however, not in breach of any rules hence they shall be entitled to reinstatement without back wages. The management is directed to do accordingly. The award is so given. The management shall pay Rs. 50 as costs to each of the five workmen.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-22012/36/76-D III(B)/D II(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1977

का० आ० 3662.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1529 तारीख 2 मई, 1977 द्वारा किसी तेल क्षेत्र में सेवा की उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 मई, 1977 से छः मास की कालावधि के लिए एक लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आगे छः मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोकहित में अपेक्षित है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को 22 नवम्बर, 1977 से आगे छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[स० एस-11017/4/77-डी-1(ए)]

एल० के० नारायणन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 1977

S.O. 3662.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1529 dated the 2nd May, 1977 the service in any oil field to be public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from 22nd May, 1977.

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declare the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 22nd November, 1977.

[No. S. 11017/4/77/DI(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

New Delhi, the 5th November, 1977

S.O. 3663.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 99 of 1977

BETWEEN

Shri Sri Ram Verma as represented by Delhi Circle
State Bank Staff Association ...Petitioner

AND

State Bank of India, Region V, through its Regional
Manager, State Bank of India Region Vm New
Delhi. ...Respondent

PRESENT :

Shri J. G. Verma.—Asstt. General Secretary for the
workman.

Shri S. Misra.—for the Management.

AWARD

Govt. of India as appropriate Govt. referred a dispute vide
its order No. L. 12012/123/75/DII/A dated the 28th Octo-
ber, 1975 in the following terms :

'Whether the action of the Management of the State
Bank of India, Region V, New Delhi, in denying
Shri Sri Ram, Cash Coolie of the said Bank at
Sector 17, Chandigarh, to Officiate as Record Keeper
in terms of the said Bank's circular No. 34 of
7th April, 1972 is legal and justified ? If not, to
what relief is the said workman entitled ?

2. The said reference had been made to Industrial Tribunal
at Chandigarh. Thereafter the said reference was transferred
to the court of Central Govt. Industrial Tribunal, Delhi and
finally the said reference has been transferred to this Tribu-
nal. The reference has been registered and the parties re-
presentatives have appeared before me today. The represen-
tative of the workman Shri J. G. Verma, Asstt. General
Secretary of Delhi Circle State Bank Staff Association has
made the following statement :

'The workman has since been promoted on the persuasion
of Association. So in this case it be accordingly
ordered that the claim stands satisfied and a no
dispute award be made.'

3. Thereafter Shri S. Misra has made the following state-
ment on behalf of the Management.

'I have no objection'.

4. From the statements recorded above it emerges that
the claim in the reference has been settled outside the court
and as such no dispute remains between the parties any
longer. Accordingly an award of no dispute is hereby made
in the case. Parties are left to bear their own costs.
Requisite copies of the award may be sent to the appropriate
Govt. for necessary action.

Announced in the open court.

Dated, the 2nd August, 1977.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[F. No. L-12012/123/75-D II/A]

New Delhi, the 7th November, 1977

S.O. 3664.—In pursuance of section 17 of the Industrial
Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government
hereby publishes the following award of the Central Govern-
ment Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute
between the employers in relation to the management of
Punjab National Bank, Jammu and their workman, which
was received by the Central Government.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI.

I. D. No. 166 of 1977

In re :

The General Secretary Punjab National Bank Employees'
Union 162, Shakti Nagar, Jullundur City.

...Petitioner

The Regional Manager, Punjab National Bank, West
Himalaya Region, Jammu. ...Respondent

PRESENT :

Shri L. R. Kashyap, Org. Secretary of Punjab National
Bank Employees' Union.

Shri R. N. Rao, Representative of the Bank.

AWARD

Central Govt. vide its order No. L. 12012/174/75/DII(A)
dated the 11th May, 1976 made a reference as appropriate
Govt. to Industrial Tribunal, Chandigarh in the following
terms :

Whether the action of the management of the Punjab
National Bank, West Himalayas Region, Jammu
in terminating the services of Shri Kishori Lal,
extemporary employee in the Pong Dam Area with
effect from the 31st August, 1973 is legal and
justified ? If not, to what relief is the said workman
entitled ?

2. This reference has come up before this Tribunal for
disposal after it has been ordered to be transferred in the
first instance from Industrial Tribunal, Chandigarh to Indus-
trial Tribunal, Delhi and then to this Tribunal.

3. After some evidence in the reference was recorded the
compromise Ex. S/1 dated 11-4-77 was filed before the
Tribunal and today the representatives of both the parties
have come forward with their statements subscribing to the
settlement Ex. S/1 and have stated that an award in terms
of this settlement be made in favour of the workman and
against the Management and parties be left to bear their
own costs. In accordance with the terms of settlement Ex.
S/1 an award hereby is made. The settlement Ex. S/1
would form part of this award and shall be read as such.
A copy of this award may be sent to the appropriate Govt.
for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated the 6th August, 1977

Memorandum of Settlement arrived at between the Man-
agement of Punjab National Bank, Parliament Street, New
Delhi and their workmen represented by All India Punjab
National Bank Staff Federation, 19, Garbarjhala Road,
Aminabad, Lucknow, in the matter of industrial disputes
over termination of services of S/Shri Mohinder Singh
Parmar, Hukam Singh, TR Vaid, SK Kaushik, RC Vashisht
and Kishori Lal.

Representing the Management:	Shri DK Gupta Chief Personnel, Personnel Division, HO: New Delhi.
Representing the workmen:	1. Shri VS Malhi, President, All India Punjab National Bank Staff Federation. 2. Shri OP Gupta, General Secretary, All INDIA Punjab National Bank Staff Federation, 19, Garbarjhala Road, Aminabad: Lucknow.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas the Punjab National Bank has terminated ser-
vices of S/Shri Mohinder Singh Parmar, Hukam Singh and
TR Vaid on 9-2-1974, that of S/Shri SK Kaushik and RC
Vashisht on 2-2-1974 and that of Shri Kishori Lal in Novem-
ber 1973 on the ground that they were temporary employees
and were employed in Pong Dam Area for a limited period
for work which was of an essentially temporary nature re-
lating to deposits mobilization and on the ground that S/
Shri Hukam Singh, SK Kaushik, RC Vashisht and TR Vaid
having appeared in the NIBM test held in December 1972
also failed to qualify in the said test.

Whereas the Punjab National Bank Employees' Union (Punjab), Jullunder, an affiliate of all India Punjab National Bank Staff Federation has raised industrial disputes regarding termination of services of S/Shri Mohinder Singh Parmar, Hukam Singh TR Vaid, SK Kaushik, RC Vashisht and Shri Kishori Lal, which are pending adjudication before the Central Government Industrial Tribunal, Delhi.

Whereas the said Punjab Union and Federation have contended that all the above-mentioned six employees had been working against permanent vacancies for mobilisation of deposits and could not be treated as temporary employees and that all the 6 employees were eligible for appointment in the clerical cadre in terms of Staff Deptt. Circular No. 829 dated 5-6-1971, they being local candidates in rural areas with population of less than 10,000 though were 3rd class graduates, except Shri TR Vaid, who is 2nd division graduate, and were, therefore, eligible to have option for the job or NIBM test, instead of NIBM test given to 4 of them.

Whereas the Federation has further contended that the said 6 temporary employees could not be treated as temporary employees as they were allowed to work even after the appointment of temporary employees was discontinued in terms of the settlement dated 13th July, 1972, and even after 4 of them failed in the NIBM test.

The parties have mutually arrived at the settlement the terms and conditions of which are as follows :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That S/Shri Mohinder Singh Parmar, Hukam Singh, TR Vaid SK Kaushik, RC Vashisht and Kishori Lal shall be absorbed as confirmed hands on the initial starting salary of clerical scale.
2. That the 6 employees referred to in clause 1 above shall have no claim whatsoever in any shape or form for the temporary service put in by them for any arrears etc. from the date of termination till the date they are absorbed in Bank service.
3. They shall be absorbed at points of need in Himachal Pradesh Region.
4. That this Settlement shall not be cited by the All India Punjab National Bank Staff Federation as a precedent in any other case.
5. The parties undertake to file this Settlement in the office of the Central Government Industrial Tribunal, Delhi, praying that a consent award be given in terms of this Settlement.
6. That the terms of this Settlement shall be implemented within 15 days after filing the same with the Tribunal's Office.

(Representing the Employer)

(Representing workmen)

Sd. (DK GUPTA)

Sd. (VS MALHI)

CHIEF PERSONNEL

PRESIDENT

Punjab National Bank.

All India PNB Staff Federation.

Sd. (OP GUPTA)

GENERAL SECRETARY
All India PNB Staff Federation

Sd. (OP SEHGAL)
GENERAL SECRETARY
Punjab National Bank Employees' Union
Punjab, Jullunder.

Date : 11-4-77

WITNESSES :

1. Sd. Illegible.
2. Sd. Illegible.

[F. No. L-12012/174/75-D. II. A.]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

New Delhi, the 5th November, 1977

S.O. 3665.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madras Stevedores Association, Madras and their workmen which was received by the Central Government on the 4th November, 1977.

**BEFORE THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS**

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 19th day of October, 1977

Industrial Dispute No. 29 of 1977

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Madras Stevedores Association, Madras.)

BETWEEN

The workmen represented by—The General Secretary, Madras Harbour Workers Union, Bhagat House, No. 1/73, Broadway, Madras-600001.

AND

The Administrative Officer, Madras Stevedores Association, MDLB Buildings, First Line Beach, Madras-600001.

REFERENCE :

Order No. L-33012(1)/77-DIV(A), dated 19-5-1977 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for hearing upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing of Thiru R. Ganesan, advocate for the workmen and of Thiru A. S. Raman, advocate for the Management and the parties having filed a joint memorandum of settlement and recording the same, this Tribunal made the following Award :—

AWARD

This is a reference for adjudication referred to this Tribunal by the Government of India under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 of an Industrial Dispute between an employee and the Management of Madras Stevedores Association, Madras over the dismissal of a watchman.

(2) The reference is as follows :

Whether termination of services with effect from 1-3-77 of Shri Logiah, Watchman, by Madras Stevedores Association, Madras is lawful and justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?

(3) The workman filed a claim statement, wherein he avers as follows : The worker Thiru K. Logiah was employed as a watchman by the Respondent-Management. The Management was showing a vindictive attitude towards the said watchman. On 14-2-1977, while he was going to the Lavatory at 4.30 A.M. wearing a sweater he was called by the Security Guard of CISF and was questioned about the Sweater he was wearing. He explained to the CISF Guard that the Sweater belonged to him and he was asked to attend office on 15-2-1977. On 15-2-1977 he came to the office and he was asked to come on 17-2-1977. On 17-2-1977 his signature was obtained in a paper in which something was found written and as he was illiterate he did not know the contents. On 24-2-1977 he was informed that enquiries in the above matter will be held on 25-3-1977. But no enquiry took place. He was served with an order of discharge of service on 1-3-1977. He approached the Administrative Officer pleading his innocence and requested for reinstatement. But his request was not complied with. Thereupon the Union took up the matter and asked the Management to reinstate him but the Management was not willing. There was conciliation proceedings, but it failed.

Hence the matter was referred for adjudication to this Tribunal. The Claimant-petitioner is innocent and he never made any confessional Statement. The alleged confession is not true. The finding based on the confessional statement is not fair and is against the principles of natural justice. Hence the dismissal may be set aside and he may be reinstated.

(4) In the counter, the Management contended that the worker was guilty of theft of a Sweater from a ship in which he was working on 14-2-1977; the confessional statement recorded was voluntary and the statement was read over to him and he signed it after knowing fully the contents of the Statement. The Management after due consideration of his statement terminated his services. His past conduct was also not satisfactory and the enquiry he had referred did not relate to the theft but to the earlier charge which was for leaving the ship without informing the superiors. On the basis of his own admission voluntarily made by him he was removed from service. Therefore, he was not entitled to reinstatement.

(5) When the matter came up for enquiry on 19-10-1977, a Settlement was filed by both the Management and the worker and as per Settlement he was to be reinstated with effect from 1-10-1977 without back wages. In view of the Settlement between the parties he is to be reinstated in service without back wages. An Award is passed accordingly.

Dated, this 19th day of October, 1977

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT MADRAS

I.D. No. 29 of 1977

The workman employed by the Stevedores Association represented by Madras Harbour Workers' Union. —Petitioner.

Versus

The Management of Madras Stevedores Association, Madras. —Respondent.

Memorandum of Settlement

BY CONSENT

1. The workman will be re-employed with effect from 21st October, 1977 in the same post, without any claim for back wages as per Management's letter dated 18-10-1977.

2. In view of the above, the other claims in the above dispute are withdrawn.

Dated at Madras, this 19th day of October, 1977.

Sd/- K. LOGIAH,
Petitioner.

Sd/- R. GANFSAN,
Counsel for Petitioner.

For Management
Sd/- A. S. RAMAN,
Counsel for Management.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

[No. L-33012(1)/77-D.IV(A)]

New Delhi, the 9th November, 1977

S.O. 3666.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs S. R. Pusalkar and Company, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th November, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/7 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. S. R. Pusalkar Co., Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—1. Shri Y. N. Josyulu, Advocate.

2. Shri V. V. Dixit, Partner.

For the workmen.—1. Shri R. S. Kulkarni, Advocate.

2. Shri I. S. Sawant, Assistant Secretary, Transport and Dock Workers' Union.

INDUSTRY : Clearing and forwarding. STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 19th October, 1977

AWARD

The Government of India, in the Ministry of Labour by virtue of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following dispute for adjudication to this Tribunal by its order dated 20-2-1976 :

"Whether the action of the management of M/s. S. R. Pusalkar and Co., Bombay, in paying Bonus at rate of 11.33 per cent for the accounting year 1972-73 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

The workmen in the statement of claim contend that rate of bonus declared by the management at the rate of 11.33% for the accounting year 1972-73 is inadequate and that they should be paid bonus at the rate of 20 per cent.

The management contended in its written statement that as per the figures available for the year 1972-73 bonus at the rate of 74 per cent alone is permissible and in spite of it, in order to maintain good relations with their employees, they have agreed to allow bonus at the rate of 11.33 per cent. They submit, that as per profit & loss account for the year 1972-73 the workmen are not entitled to anything more than the bonus already declared at 11.33 per cent.

On 18-10-77, Shri V. V. Dixit one of the partners of the employer firm and his advocate Mr. Josyulu and Shri I. S. Sawant, Asstt. Secretary of the Transport and Dock Workers' Union representing the workmen herein and the Unions' Advocate Shri Kulkarni filed a memo. of settlement dated 18-10-77 requesting the Tribunal to dispose of this reference in term of the settlement entered into between the parties. By this settlement the management has agreed to concede bonus at 15.33 per cent for the year in question. In my opinion the agreement appears to be fair and should be given effect to.

The Reference is accordingly answered in terms of the settlement. A copy of the settlement is appended hereto.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer.

[No. L-31011(i)/76-D.IV(A)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

COURT NO. 2

Ref. CGIT No. 2/7 of 1976

BETWEEN

M/s. S. R. Pusalkar and Co.

AND

Its workmen.

May it please the Hon. Tribunal.

The parties in the above matter have arrived at an amicable settlement as under and pray that the Hon. Tribunal may be pleased to pass an award in terms thereof :

TERMS OF SETTLEMENT

(1) The parties agree that the management shall pay to the eligible employees four percent more bonus in respect of the year 1972-73 (The management had already paid bonus at the rate of 11.33 % of their earnings).

(2) The payment as above shall be made on or before 1-11-1977.

(3) This satisfies the entire demand for bonus in respect of the 1972-73.

Bombay

18-10-77

For S. R. Pusalkar and Co.,

V. V. Dixit, Partner.

For Transport and Dock Workers Union.

I. S. Sawant, Secy.

V. N. Josulu,

Advocate for the Company.

R. S. Kulkarni,

Advocate for the Union.

[No. L-31011(1)/76-D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer.

New Delhi, the 21st November, 1977

S.O. 3667.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal cum-Labour Court No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper complex of M/s. Hindustan Copper Limited and their workman, Shri Udyanath Mahapatra.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT (NO. 3) AT DHANBAD

Reference No. 13 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of M/s. Hindustan Copper Limited

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the management.—Shri A. K. Sarkar, Advocate.

For the workmen :—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Copper.

Dhanbad, the 14th October, 1977

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act by the Government of India, Ministry of Labour

under Order No. L-43012(9)/75-D.IV(B) dated 2nd February, 1976. The schedule is extracted below :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited, Post Office Mosaboni Mines, District Singhbhum in dismissing Shri Udyanath Mahapatra, Ex-B. No. 8029, Ex-Blaster, Surda Mine with effect from the 22nd August, 1972 was justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. As it is, the dispute relates to the order of dismissal passed against Shri Udyanath Mahapatra by the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited.

3. Case of the workman is that he was charged with theft of 27 sticks of explosives and detonators No. 6 fitted with fuse wire, 45 in number, but this recovery from his house was not done according to law. It is further said that a workman enters the company through the gate and at that time he is searched by the watch & ward men and when comes out he is again searched. After entering into the company he is to take sticks of explosives for blasting and after completion of duty he is to return the sticks of explosives and detonators to the man who issues them from the stores. The register maintained in the stores will not indicate that there was any shortage of sticks for which any report had been sent to the management.

4. He further submits that there was inordinate delay in informing the police and if he had stolen the sticks he could not have kept them in his house.

5. It is contended that the case is a false and concocted one and the order of dismissal was unjustified and he is entitled to reinstatement with back wages.

6. In the written statement filed on behalf of the management it is contended that the dispute is not an industrial dispute in as much as neither the workman's union nor a body of management's workmen had collectively raised any dispute nor they were party to the conciliation proceeding. Besides, the dispute is a very belated one and the doctrine of laches applies.

7. Case is that the concerned workman committed a serious misconduct of dishonesty in connection with company's property as explosives S.G. 60 per cent 27 sticks and detonators No. 6 fitted with fuse 45 in number were recovered from his quarter. There was an enquiry against him in which he was found guilty and as a result he was dismissed from service.

8. A preliminary point was raised regarding the fairness and propriety of domestic enquiry and the matter was heard by me. After considering the evidence brought on behalf of the employers and the evidence of the delinquent workman before me, I came to the conclusion that in the enquiry proceeding all possible opportunities had been given to him to cross-examine management's witness, to examine himself and his defence witnesses. I, therefore came to hold that the enquiry was fair and proper in keeping with the principles of natural justice.

9. In view of my above finding the only point that now arises for consideration is as to how far the tribunal can interfere with the order passed as provided under section 11A of the I.D. Act.

10. It has been established that explosives were recovered from the house of the concerned workman, the materials were ceased, he was arrested and taken in custody to the police station at Mosaboni. During the course of enquiry he had admitted that there was search in his house and explosives were recovered, but he had said that it was a case of planting. He, however, could not produce any material before the enquiry officer or before me to substantiate it.

11. Not only that, in his evidence before me he made numerous false statements and they were all inconsistent with

the admitted case and the stand that he had taken before the Assistant Labour Commissioner. I had mentioned in my order that he had tried his best to conceal the facts and to show himself absolutely honest. But the materials which were available clearly indicated that he was guilty of the charge levelled against him and all the statements that he made in court were false and fabricated.

12. The standing orders of the Indian Copper Corporation Limited are on record and at page 4, Item No. 9 deals with service rules. It is said that the General Manager of the company and the Mines Superintendent in case of flagrant breach of the Mines Act reserve the right to dismiss summarily and permanent employee without notice or compensation in lieu thereof who after proper investigation is found guilty of any of the following offences and in item No. (iii) theft, fraud or dishonesty in connection with the company's business or property is mentioned.

13. Case of theft having been established against the delinquent as per the standing orders he was liable to be dismissed by the General Manager of the company and the Mines Superintendent. Theft in itself is quite a serious offence and when it relates to explosives it becomes still more grave. In such a circumstance if the applicant was dismissed it cannot be said that the punishment inflicted is harsh or excessive or disproportionate to the offence committed.

14. Ext. M-7 is the dismissal letter dated 22-8-72 which has been signed by the Mines Superintendent who is a competent authority under the standing orders to pass such an order.

15. Then I find that the concerned workman was dismissed w.e.f. 22-8-72 but the Reference was made on 2-2-76. Undoubtedly, therefore, doctrine of laches is applicable and that is certainly an infirmity in his case.

16. Taking into consideration all the facts and circumstance and the law on the point I am of opinion that the order of dismissal is justified. Action of the management in dismissing Shri Udayanath Mahapatra, Ex-B 8029, Ex-Blaster, Surda Mine with effect from 22-8-1972 was justified and he is entitled to no relief.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer
[No. L-43012(9)/75-D.IV(B)]

S.O. 3668.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal cum-Labour Court No. 2, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Sociedade De Fomento Industrial Private Limited, Margao and their workman, Shri Felix Rodrigues.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/2 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Messrs
Sociedade De Fomento Industrial Private Limited,
Margao.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Shri K. V. Nadkarny, Personnel Officer.

For the Workmen—Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union, Goa.
109 GI/77—

INDUSTRY : Iron Ore
Mining

STATE : Goa, Daman and Diu

Bombay, the 29th September, 1977

AWARD

The Government of India, in the Ministry of Labour acting under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per order No. L-26012(9)/73-LR-IV dated 31-1-1974 :—

"Whether the action of the management of Messrs. Sociedade de Fomento Industrial Private Limited, Margao (Goa) in terminating the services of Shri Felix Rodrigues, Compressor Attendant with effect from 18-7-1973 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

The workman herein claims to have been employed in the service of the employer company Messrs. Sociedade de Fomento Industrial Private Limited, Margao (Goa) in its South Zone Mining Establishment from the year 1968. Thereafter his services were staggered. On 4-8-1971 he was appointed as Compressor Attendant on daily rate of wages at the rates prescribed by the Central Wage Board for Iron Ore Industry. Though the letter of appointment stated that the appointment was purely temporary lasting for eight or nine months he was allowed to work continuously without break till his services were terminated with effect from 18-7-1973. By that date he had put in a continuous service of one year and 11 months. As per the terms of the agreement entered into between the management and the Goa Mining Labour Welfare Union, the management should bring such of those daily rated workers who had completed one year of service or 240 days of attendance on the permanent register. For some reason the workman herein was not brought on the permanent register despite the fact that he had worked for more than 240 days. The workman submits that the termination of his service was not according to law because he was not given notice pay or retrenchment compensation. The workman therefore demands reinstatement in service with full back wages and continuity of service.

The management in its written statement disputes the averment that the workman was in their service for more than 240 days. According to them the workman joined their service on 26-10-1972 on purely temporary basis and his services were terminated on 18-7-1973. As the workman had not put in 240 days of service in a calendar year he is not entitled to be brought on the permanent register and fitment in the grade and salary as per his designation. They deny the averment that the workman joined the service in the year 1968. However, they add that he might have been engaged for work in their industry by their contractors. They pray that this reference may be answered against the workman.

On 19-9-1977 the representatives of the workman and the management appearing before the Tribunal filed an application stating that an award in terms of the settlement entered into between the parties may be passed. The material portion of the agreement entered into between the parties is given below :—

.....

"(8) It was after a series of meetings with the workman represented by the above referred Union that the employed company agreed to pay in full and final settlement a sum of Rs. 1,321.50 as negotiated between the parties with a clear understanding that the workman will not have any claim whatsoever with the company. The workman agreed to the above and the matter has been amicably settled."

A true copy of the receipt passed by the workman in favour of the management for the sum of Rs. 1,321.50 paid to him in terms of this compromise has also been filed along with the application reporting settlement.

The above terms appear to be fair and reasonable. Shri George Vaz for the workman submits that retrenchment compensation for two months has been granted to the workman which is more than what he is entitled to according to law and that the compromise is beneficial to the workman. I agree with this submission.

In the result this reference is answered in terms of the Memorandum of Settlement dated 19-9-1977, which is appended hereto.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR
COURT NO. 2, AT BOMBAY

Application No. CGIT-2/2 of 1974

Employers in relation to M/s. Sociedade de Fomento Industrial Private Limited, Margao, Goa.

AND

Their Workmen.

May It Please Your Honour :

With reference to the Notice No. CGIT-2/2 of 1974 dated 3rd September, 1977, received by us from the Hon'ble Court in the matter of alleged illegal termination of services of Mr. Felix Rodrigues, Compressor Attendant, we respectfully submit as under :

We, the workmen and the Company kindly hereby declare that the above referred matter has been amicably settled as under :

- (1) The workmen represented by Goa Mining Labour Welfare Union, Assonora, Bardez, Goa alleged that the employer Company has illegally terminated the services of the workmen with effect from 18th July, 1973.
- (2) The workman further contended that he was in the employment of the Company from the year 1968 and his services were being staggered. However, he was issued official appointment letter on 4th August, 1971, as a Compressor Attendant on daily rate of wages together with D.A. and V.D.A. as per the Central Wage Board recommendation for Iron Ore Mining Industry.
- (3) The Management reiterated the Union's allegation and contended that the above workman namely Mr. Felix Rodrigues was not in the employment of the Company from the year 1968, but he was employed in the Company from 1st August 1971, as per the letter of appointment dated 4th August, 1971, issued to the said workman.
- (4) The Management further contended that the workman was appointed purely on temporary basis as specified in the letter of appointment which has specifically stated that the appointment was purely temporary lasting for 8 to 9 months.
- (5) The Management further also stated that he was never in the continuous service for more than 9 months at a stretch.
- (6) As such the termination of his services by the Management was justified and the workman was not entitled for any notice pay or compensation as per Section 25(f) of the Industrial Disputes Act, 1947, as claimed by the workman.
- (7) The Management did not accept the contention of the workman that the terms of Agreement dated 12th March, 1973, arrived between the Company and their workers represented by the said Union,

Goa Mining Labour Welfare Union, were applicable to the said workman, Mr. Felix Rodrigues, as he has not completed 240 days of attendance during one calendar years of service, which was one of the pre-conditions applicable to the workman to fall under the purview of the said Agreement dated 12-3-1973.

- (8) It was after a series of meetings with the workman represented by the above referred Union that the employer Company agreed to pay in full and final settlement a sum of Rs. 1,321.50 as negotiated between the parties with a clear understanding that the workman will not have any claim whatsoever with the Company. The workman agreed to the above and the matter has been amicably settled.

We therefore kindly request the Hon'ble Court to allow us to close the dispute and favour us with your consent Award.

For and on behalf of
the employer Company.

For and on behalf of
the workmen :

For and on behalf of
Sociedade de Fomento
Industrial Pvt. Ltd.

Sd/-
(George Vaz)

General Secretary
Goa Mining Labour Welfare Union

Sd/

Personnel Officer.

Dated, 19th September, 1977.

STATEMENT OF ACCOUNT OF SETTLED DUES

NAME	: FELIX RODRIGUES
DESIGNATION	: D/W HELPER COMPRESSOR ATTENDANT
PAY SCALE	: Rs. 135-5-160-5-185-6-215
STARTING SALARY	: Rs. 140.00 PLUS V.D.A.

	Basic	V.D.A.	Total amt. Payable
Salary for the month of Aug.'73	140.00	69.00	209.00
Salary for the month of Sept.'73	140.00	82.50	222.50
Salary for the month of Oct.'73	140.00	82.50	222.50
Salary for the month of Nov.'73	140.00	82.50	222.50
	560.00	316.50	876.50
Salary from Aug.'73 to Nov.'73		Rs. 876.50	
Salary from Dec.'73 to Jan.'74		Rs. 445.00	
Total :		Rs. 1,321.50	

(RUPEES ONE THOUSAND THREE HUNDRED TWENTY ONE AND PAISE FIFTY ONLY).

For & on behalf of
Sociedade de Fomento Industrial Pvt. Ltd.
Sd/-
Director

I, the undersigned hereby declare that I have received all the dues of Rs. 1,321.50 (Rupees One Thousand Three Hundred Twenty One and Paise Fifty Only) from the company in full and final settlement of my account as per this statement dated 4th August, 1975. I hereby further declare that there will be no claim whatsoever from me, with the company Messrs Sociedade de Fomento Industrial Pvt. Ltd., Margao, Goa.
4-8-1975.

TRUE COPY

Sd/-
(FELIX RODRIGUES)

Sd/-
P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer
[No. L-26012(9)/73-I.R-IV]
MANJIT SINGH, Under Secy.